राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 16 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-207 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी...

- गैरकानूनी प्रक्रिया मिली तो पूरी कवायद कर दी जाएगी रद्द, असर पूरे देश पर पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बिहार में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए भरोसा दिलाया कि यदि प्रक्रिया गैरकानूनी हुई तो पूरी कवायद रद्ध कर दी जाएगी। अदालत ने कहा कि यदि चुनाव आयोग ने मतदाता सूची संशोधन में किसी भी तरह की गैरकानूनी प्रक्रिया अपनाई है, तो पूरा अभियान रद्द किया जा सकता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह फैसला केवल बिहार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे देश में चल रही स्ट्रक्रकवायदों पर लागू होगा।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि सुप्रीम कोर्ट मानकर चलता है कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और कानून का पालन करता है। इसके बावजूद यदि गड़बड़ियां पाई जाती हैं, तो कठोर कदम उठाए जाएंगे। अदालत ने इस मामले में अंतिम बहस और सुनवाई के लिए 7 अक्टूबर की तारीख तय की है।

गौरतलब है कि पिछले सोमवार को अदालत ने आदेश दिया था कि मतदाता सूची संशोधन के लिए आधार कार्ड को भी वैध दस्तावेज माना जाए। इससे पहले चुनाव अधिकारियों पर शिकायतें आई थीं कि वे आधार को स्वीकार नहीं कर रहे। चुनाव आयोग की आपत्तियों को खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि आधार नागरिकता का सबूत नहीं है, लेकिन यह पहचान और निवास का ठोस प्रमाण है, इसलिए इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता।

विपक्ष लगातार उठा रहा सवाल

बिहार में जारी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर विपक्षी दल लगातार सवाल उठा रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि आयोग असली मतदाताओं के नाम बिना पूरी जांच के ही हटा रहा है। उनका कहना है कि नाम जोड़ने के लिए आयोग ने 11 दस्तावेजों को वैध माना है, लेकिन आधार को शामिल नहीं किया, जबकि यह सबसे सामान्य और सुलभ पहचान पत्र है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट का यह रुख बिहार ही नहीं, बल्कि देशभर के चुनावी सुधारों पर गहरा असर डाल सकता है। यदि अदालत गैरकानूनी प्रक्रियाओं पर सख्ती दिखाती है, तो मतदाता सूची संशोधन की पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और भविष्य में गड़बड़ियों की संभावना कम होगी।

आचार्य देवव्रत बने महाराष्ट्र के नए राज्यपाल

मुंबई (एजेंसी)। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सोमवार को महाराष्ट्र के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली। उन्होंने सीपी राधाकृष्णन का स्थान लिया है, जिन्होंने भारत के उपराष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। शपथ ग्रहण समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मौजूद थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आचार्य देवव्रत की नियुक्ति का आदेश जारी किया था। एनडीए के उम्मीदवार चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन (सीपी राधाकृष्णन) 9 सितंबर को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए। उन्हें 452 वोट मिले, जबकि विपक्षी उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। उपराष्ट्रपति बनने के बाद, सीपी राधाकृष्णन ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण के बाद उन्होंने राज्यसभा के सभापति का पदभार संभाला।

ऐश्वर्या, अभिषेक के बाद अब करण जौहर पहुंचे दिल्ली हाई कोर्ट

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के बाद अब करण जौहर भी दिल्ली हाई कोर्ट गए हैं। उन्होंने अदालत से सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है कि कोई भी उनकी अनुमति के बिना उनके नाम, आवाज, छवि या व्यक्तित्व का इस्तेमाल न करे। निर्माता करण जौहर ने विशेष रूप से उन वेबसाइटों और प्लेटफार्मों पर रोक लगाने की मांग की है, जो उनके नाम और चेहरे वाले मग और टी-शर्ट जैसे सामान अवैध रूप से बेच रहे हैं। उनके वकील का तर्क है कि उन्हें यह अधिकार है कि कोई भी उनके व्यक्तित्व का गलत इस्तेमाल न करे। बात दें कि जैकी श्रॉफ और अनिल कपूर जैसे कलाकार भी पहले इसी तरह के मुद्दों पर अपनी आवाज़ उठा चुके हैं, जिसमें ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सेलेब्स के व्यक्तित्व का दुरुपयोग किया जा रहा है। मामला सेलिब्रिटी कॉपीराइट और उनके व्यक्तित्व के व्यावसायिक उपयोग को नियंत्रित करने से संबंधित है, जिसे बिना अनुमति के इस्तेमाल किया जा रहा है।

झारखंड में 1 करोड़ का इनामी नक्सली ढेर, कौन था सहदेव सोरेन?

हजारीबाग (एजेंसी)। झारखंड के हजारीबाग जिले में सुरक्षा बलों को एक बड़ी कामयाबी मिली है। यहां सोमवार सुबह से जारी एनकाउंटर में सुरक्षा बलों ने 1 करोड़ के इनामी नक्सली सहदेव सोरेन उर्फ परवेश समेत 3 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। सहदेव सोरेन सेंट्रल कमेटी का सदस्य था। वहीं दो अन्य नक्सलियों पर 25 लाख और 10 लाख रुपये का इनाम घोषित था। बता दें कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही कहा है कि मैं एक बार फिर माओवादियों से अपील करता हूं कि वे हथियार डाल दें। सशस्त्र क्रांति अब अप्रासंगिक हो चुकी हैं। जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप विकास और कल्याण के मार्ग पर चलें। सुरक्षा बलों की इस सफलता पर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने 'एक्स' पर लिखा था, नक्सलियों के विरुद्ध हमारे सुरक्षा बलों ने आज एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ की कोबरा कमांडो, छत्तीसगढ़ पुलिस और डीआरजी ने संयुक्त अभियान चलाकर एक करोड़ रुपये के इनामी सीसीएम मोड़ेम बालकृष्ण उर्फ मनोज समेत 10 कुख्यात नक्सलियों को मार गिराया है। समय रहते बचे-खुचे नक्सली भी आत्मसमर्पण कर दें। आगामी 31 मार्च से पहले लाल आतंक का समूल नाश निश्चित है। पुलिस ने बताया खुफिया जानकारी के आधार पर आज सुबह हजारीबाग जिले के टाटीझरिया थाना के करंडी गांव में कोबरा बटालियन, गिरिडीह और हजारीबाग पुलिस की जॉइंट टीम के साथ हुई मुठभेड़ में सीपीआई (माओवादी) के एक सेंट्रल कमेटी मेंबर सहदेव सोरेन और दो अन्य नक्सली मारे गए। सहदेव सोरेन के सिर पर एक करोड़ रुपये का इनाम था। वहीं मारे गए अन्य दो नक्सली कमांडरों में बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी मेंबर रघुनाथ हेम्ब्रम उर्फ चंचल और जोनल कमेटी मेंबर बिरसेन गंझू उर्फ रामखेलावन शामिल हैं। रघुनाथ हेम्ब्रम पर 25 लाख का इनाम था, जबकि बिरसेन गंझू 10 लाख रुपये का इनामी नक्सली था। जानकारी के अनुसार, एनकाउंटर के बाद सुरक्षा बलों क मौके से 3 एके-47 रायफल भी बरामद हुई हैं। बीती 11 जुलाई छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 10 नक्सलियों को मार गिराया था। मारे नक्सलियों में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के एक वरिष्ठ नेता और सेंट्रल कमेटी मेंबर (सीसीएम) 1 करोड़ के इनामी मोड़ेम बालकृष्ण उर्फ भास्कर भी शामिल था।

रेपो रेट में 50 आधार अंक तक की कटौती कर सकता है आरबीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। खुदरा महंगाई दर में आने वाले समय में कमी देखने को मिलेगी, जिससे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को रेपो रेट में 50 आधार अंक तक की कटौती करने के लिए पर्याप्त जगह मिल सकती है। यह जानकारी सोमवार को जारी हुई मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में कहा गया, 'खाद्य उत्पादों की कम कीमतें, जीएसटी दरों में कटौती और इनपुट मूल्य दबावों की कमी से उत्पन्न अवस्फीति के कारण हेडलाइन महंगाई दर का ट्रेंड नरम बने रहने की संभावना है। हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 26 में हेडलाइन महंगाई दर औसतन 2.4 प्रतिशत सालाना रहेगा, जिससे आरबीआई अक्टूबर और दिसंबर में प्रत्येक में 25 आधार अंकों (0.25 प्रतिशत) की कटौती रेपो रेट में कर सकेगा।'

पूर्णिया में पीएम मोदी का हुंकार:

आरजेडी-कांग्रेस ने बिहार को धोखा दिया, घुसपैठियों को जड़ से उखाड़ेंगे

पूर्णिया (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिहार के विकास की ये गति, बिहार की ये प्रगति कुछ लोगों को रास नहीं आ रही है। जिन लोगों ने दशकों तक बिहार का शोषण किया, इस मिट्टी को धोखा दिया, आज वो ये मानने को तैयार ही नहीं कि बिहार भी नए कीर्तिमान बना सकता है। आज Made In Bihar रेल इंजन एक्सपोर्ट होकर अफ्रीका तक जा रहा है। लेकिन ये सब कांग्रेस और RJD वालों को पच नहीं रहा है। बिहार जब भी आगे बढ़ता है, ये लोग बिहार का अपमान करने में जुट जाते हैं। उन्होंने कहा कि अभी आपने देखा होगा कि RJD की सहयोगी कांग्रेस पार्टी सोशल मीडिया पर बिहार की तुलना बीड़ी से कर रही है। इन लोगों को बिहार से इतनी नफरत है। इन लोगों ने घोटाले और भ्रष्टाचार करके बिहार की साख को बहुत नुकसान पहुंचाया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब बिहार को विकास करते देखकर, कांग्रेस और राजद ने फिर बिहार को बदनाम करने की ठान ली है। ऐसी मानसिकता वाले लोग कभी बिहार का भला नहीं कर सकते। जिन लोगों को अपनी

तिजोरी भरने की चिंता रही हो, वो गरीब के घर की चिंता क्यों करें? उन्होंने कहा कि कांग्रेस के एक प्रधानमंत्री ने माना था कि कांग्रेस सरकार 100 पैसा भेजती है, तो 85 पैसा बीच में ही लूट जाता है। कांग्रेस-RJD की सरकार में सीधे गरीब के खाते में पैसे नहीं आ पाते थे। लालटेन जलाकर वो पंजा उस पैसे पर हाथ मारता था और 85 पैसे मार लेता था।

अपना हमला जारी रखते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस और RJD से न केवल बिहार के सम्मान को खतरा है, बल्कि बिहार की पहचान को भी खतरा है। आज सीमांचल और पूर्वी भारत में घुसपैठियों के कारण डेमोग्राफी का कितना बड़ा संकट खड़ा हो चुका है। उन्होंने कहा कि बिहार, बंगाल, असम जैसे कई राज्यों के लोग अपनी बहन-बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। इसलिए मैंने लाल किले से डेमोग्राफी मिशन की घोषणा की है। लेकिन, वोटबैंक का स्वार्थ देखिए, कांग्रेस-RJD और उनके इकोसिस्टम के लोग घुसपैठियों की वकालत करने में जुटे हैं, उन्हें बचाने में लगे हैं। और बेशर्मी के साथ ये लोग विदेश से आए घुसपैठियों के लिए नारे लगा रहे हैं, यात्राएं निकाल रहे हैं।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज पूर्णिया की इस धरती से मैं इन लोगों को एक बात अच्छी तरह समझाना चाहता हूं। ये RJD और कांग्रेस वालों की जमात जरा कान खोलकर मेरी बात सुन लो। जो भी घुसपैठिया है, उसे बाहर जाना ही होगा। घुसपैठ पर ताला लगाना NDA की पक्की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जो नेता उनके बचाव में खड़े हैं, जो घुसपैठियों को बचाने के लिए मैदान में हैं। मैं उनको चुनौती देता हूं कि आप लोग घुसपैठियों को बचाने में चाहे जितना जोर लगा लें, हम घुसपैठियों को हटाने के संकल्प पर काम करते रहेंगे। भारत में भारत का कानून चलेगा, घुसपैठियों की मनमानी नहीं। ये मोदी की गारंटी है- घुसपैठियों पर कार्रवाई भी होगी और देश अच्छा परिणाम भी देखेगा।

अमृतसर पहुंच राहुल गांधी ने गुरुद्वारा श्री समाध बाबा बुड्ढा साहिब जी में टेका मत्था

अमृतसर (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पंजाब बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने पहुंचे हैं। अमृतसर स्थित गुरु रामदास जी एयरपोर्ट पहुंचने पर कांग्रेस इकाई के नेताओं ने राहुल गांधी का आत्मीय स्वागत किया। अमृतसर पहुंचने के साथ ही राहुल गांधी ने गुरुद्वारा श्री समाध बाबा बुड्ढा साहिब जी में मत्था टेका और सभी के कल्याण की कामना की।

इस अवसर पर राहुल गांधी के साथ पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी समेत कांग्रेस प्रदेश इकाई के अनेक नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित थे। राहुल गांधी के स्वागत उपरांत कांग्रेस के पूर्व विधायक नवजोत कौर सिद्धू ने राहुल की सकारात्मक सोच का उल्लेख करते हुए कहा, कि राहुल गांधी हमारे लिए सबसे बड़े नेता हैं। उनका हमेशा से एक ही संदेश है, सेवा करो और सेवा करते रहो। इस दौरान नवजोत कौर ने राजनीति से परे पंजाब हित में काम करने की अपील भी की और कहा कि जो भी धनराशि आ रही है, उसे सिर्फ जनता की भलाई में इस्तेमाल किया जाएगा।

नवजोत कौर ने आप सरकार पर उठाए सवाल

पंजाब की बाढ़ को लेकर नवजोत कौर सिद्धू ने प्रदेश की आम आदमी पार्टी सरकार पर गंभीर सवाल उठाए और कहा, कि यह जो बाढ़ आई इसे लेकर राज्य सरकार की क्या तैयारियां थीं? प्रदेश में डिजास्टर मैनेजमेंट के कार्यालयों का हाल देखिए और इस सरकार के पास सदा ही एक जवाब होता है, पैसे नहीं हैं। ये ऐसा सोचते हैं कि लोग पैसे इकट्ठे करेंगे और दे देंगे।

पीएम मोदी ने इंजीनियर दिवस पर दी प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों को बधाई

नई दिल्ली। पीएम नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को इंजीनियर दिवस के अवसर पर प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों को बधाई दी और कहा कि वे ''विकसित भारत'' के निर्माण के सामूहिक प्रयासों में अहम भूमिका निभाते रहेंगे। यह दिन इंजीनियरों के योगदान के प्रति सम्मान के रूप में मनाया जाता है और साथ ही प्रसिद्ध सिविल इंजीनियर एवं प्रशासक एम विश्वेश्वरैया की जयंती के उपलक्ष्य में भी मनाया जाता है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि आज इंजीनियर दिवस पर मैं सर एम विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिनकी प्रतिभा ने भारत के इंजीनियरिंग परिदृश्य पर अमिट छाप छोड़ी है। मैं उन सभी इंजीनियरों को हार्दिक बधाई देता हूं, जो अपनी रचनात्मकता और दृढ़ संकल्प के जरिए नवाचार को आगे बढ़ा रहे हैं और कई क्षेत्रों में कठिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे इंजीनियर विकसित भारत के निर्माण के सामूहिक प्रयासों में अहम भूमिका निभाते रहेंगे।

बिहार में किसानों की जमीन लुटवा रही है भाजपा सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस कहा है कि मोदी सरकार अपने नजदीकी उद्योगपति पर बिहार में भी मेहरबान हो रही है और वहां ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए किसानों की जमीन लूटकर गौतम अडानी को दी जा रही है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बिहार में भागलपुर के पीरपैंती में किसानों की जमीन की लूट मची है और वहां स्थापित होने वाले ऊर्जा संयंत्र के लिए बहुत कम दरों पर किसानों की जमीन खरीदी जा रही है। उनका यह भी आरोप था कि वहां किसानों से डरा धमकाकर कम दाम पर जमीन खरीदी जा रही है। श्री खेड़ा ने कहा, '10 लाख पेड़, 1,050 एकड़ जमीन 'राष्ट्र सेठ' गौतम अडानी को पावर प्लांट लगाने के लिए एक रुपए प्रतिवर्ष पर 33 साल के लिए दे दी गई। जब आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार जा रहे हैं, तब वहां के ग्रामीणों को नजरबंद कर दिया गया, ताकि वे धरना न दे सकें। श्री बिहार से जाते-जाते अपने दोस्त अडानी को 1,050 एकड़ जमीन देने जा रहे हैं। ये 2,400 मेगावॉट का प्रोजेक्ट है, जिसका बजट 21,400 करोड़ रुपए है। इसकी घोषणा बजट में भी हुई थी। हालांकि उस वक्त सरकार ने कहा था कि वो खुद ये प्लांट लगाएगी लेकिन बाद में सरकार ने हाथ खड़े कर दिए और ये प्रोजेक्ट गौतम अडानी को दे दिया गया।'

भारत का लक्ष्य वैश्विक ऑटोमोबाइल विनिर्माण में पहला स्थान हासिल करना : गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि भारत ऑटोमोबाइल विनिर्माण, हरित गतिशीलता और बुनियादी ढांचा विकास क्षेत्र में नवाचार के अग्रणी केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है और अगले पांच साल में हमारा लक्ष्य ऑटोमोबाइल विनिर्माण में पहला स्थान हासिल करना है।

श्री गडकरी ने 'सेव इंटरनेशनल 2025 वैल्यू समिट' को संबोधित करते हुए सोमवार को कहा कि भारत अब जापान को पीछे छोड़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाज़ार बन गया है और

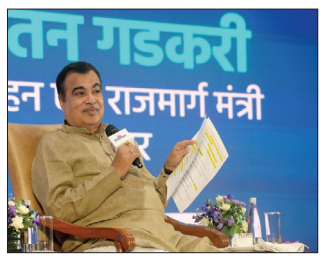

सरकार अगले पांच वर्षों में इसे पहले स्थान पर लाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि सभी प्रमुख वैश्विक ऑटोमोबाइल ब्रांड अब भारत में मौजूद हैं और हमारा ध्यान अब पूरे विश्व में वाहन निर्यात पर केंद्रित हो गया है। दोपहिया क्षेत्र में हमारे उत्पादन का 50 प्रतिशत से अधिक निर्यात होता है, जो वैश्विक स्तर पर देश की बढ़ती वाहन उपस्थिति दर्ज कर रहा है।

स्वच्छ परिवहन के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों, हाइड्रोजन ईंधन और वैकल्पिक ईंधनों में देश की अग्रणी भूमिका का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत पहले ही हाइड्रोजन ट्रक लॉन्च कर चुका है और दस मार्गों पर पायलट परियोजना के रूप में इसे चलाया जा रहा है। उनका कहना था कि टाटा मोटर्स, अशोक लीलैंड, रिलायंस और इंडियन ऑयल जैसी कंपनियों के सहयोग से, सरकार ने हाइड्रोजन बुनियादी ढांचे को तीव्रता से आगे बढ़ाने के लिए 600 करोड़ रुपये का अनुदान दिया है।

श्री गडकरी ने कहा कि सड़क बुनियादी ढांचे में भी बड़ा बदलाव आया है और भारत में अब विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क बन गया है। उन्होंने कहा कि इस ढांचागत विकास से समय की बचत हुई है और जीवन स्तर में सुधार आया है। उनका कहना था कि पहले पानीपत से दिल्ली हवाई अड्डे तक पहुंचने में तीन घंटे का समय लगता था लेकिन अब महज 35 मिनट ही लगते हैं।

यौन उत्पीड़न पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी दे कहा, क्यों राजनैतिक दलों को इस कानून से बाहर रखा गया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक अहम फैसला सुनाकर साफ किया कि राजनीतिक दलों को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 (पाश कानून) के दायरे में शामिल नहीं किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने इस संबंध में दायर अपील को खारिज कर कहा कि राजनीतिक दलों और उनके सदस्यों के बीच नियोक्ता-कर्मचारी संबंध नहीं होता, इसलिए इस कानून को उन पर लागू करना संभव नहीं है। यह मामला केरल हाईकोर्ट के आदेश से जुड़ा था। दरअसल केरल हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि राजनीतिक दल पाश कानून के तहत आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) बनाने के लिए बाध्य नहीं हैं, क्योंकि अधिनियम का दायरा केवल उन संस्थाओं तक है जहां रोजगार और भुगतान का रिश्ता है। हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। इस पर मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने अपील को खारिज कर केरल हाईकोर्ट के निर्णय को कायम रखा। अदालत ने कहा कि राजनीतिक दलों की संरचना और उनका कार्यप्रणाली रोजगार से भिन्न है। सीजेआई गवई ने टिप्पणी में कहा कि जब कोई व्यक्ति राजनीतिक दल से जुड़ता है, तब यह नौकरी नहीं होती। इसमें न रोजगार मिलता है और न ही भुगतान होता है। इसलिए राजनीतिक दल को कार्यस्थल की श्रेणी में नहीं रख सकते।

नेपाली पीएम कार्की ने कैबिनेट में भ्रष्टाचार विरोधी छवि वालों को दी प्राथमिकता

-अर्याल को गृह, खनाल को वित्त, घीसिंग को ऊर्जा और बालानंद को रक्षामंत्री बनाया

काठमांडू (एजेंसी)। सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली नेपाल की अंतरिम सरकार में ओमप्रकाश अर्याल को गृह मंत्री, रामेश्वर खनाल को वित्त मंत्री, कुलमान घीसिंग को ऊर्जा मंत्री और बालानंद शर्मा को रक्षा मंत्री बनाया गया है। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और सेना प्रमुख अशोक राज सिग्देल ने जेन-जेड समूहों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करने के बाद सुशीला कार्की को देश का नेतृत्व सौंपने की घोषणा की। बता दें राष्ट्रपति पौडेल ने प्रदर्शनकारियों की मांग को स्वीकार करते हुए वर्तमान संसद को भंग कर दिया। मार्च 2026 तक नए चुनाव कराने के वादे के साथ सुशीला कार्की ने अंतरिम सरकार का नेतृत्व संभाला है।

पीएम सुशीला कार्की ने अपनी कैबिनेट में भ्रष्टाचार विरोधी छवि वाले और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को प्राथमिकता दी है। सूत्रों के मुताबिक ये नियुक्तियां जेन-जेड प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों जैसे- पारदर्शिता, सुशासन और युवा प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखकर की जा रही हैं।

ओमप्रकाश अर्याल को गृह मंत्री बनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट के चर्चित वकील अर्याल सुशीला कार्की के भरोसेमंद सहयोगी माने जाते हैं। उन्होंने पिछली सरकारों के खिलाफ 50 से अधिक जनहित याचिकाएं दायर की हैं, जो मुख्य रूप से भ्रष्टाचार, पुलिस सुधार और नागरिक अधिकारों से जुड़ी थीं। उनकी नियुक्ति से कानून-व्यवस्था मजबूत करने की उम्मीद है, खासकर प्रदर्शनों के बाद की अस्थिरता को देखते हुए।

रामेश्वर खनाल को वित्त मंत्री पद दिया है। पूर्व वित्त सचिव खनाल आर्थिक सुधारों के प्रबल पक्षधर रहे हैं। उन्होंने कई बार बजट सुधार, कर प्रणाली में पारदर्शिता और विदेशी निवेश को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। नेपाल के आर्थिक संकट- जैसे विदेशी मुद्रा भंडार की कमी और महंगाई को संभालने के लिए उनकी विशेषज्ञता अहम हो सकती है।

कुलमान घीसिंग को ऊर्जा मंत्री बनाया है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण के पूर्व महानिदेशक घीसिंग ऊर्जा क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए मशहूर हैं। उनके नेतृत्व में लोडशेडिंग समाप्त हुई और जलविद्युत परियोजनाओं को गति मिली। विशेष रूप से, नेपाल-भारत के बीच ऊर्जा समझौते में उनकी अहम भूमिका रही, जिसके तहत अगले 10 सालों में 10,000 मेगावाट बिजली व्यापार का समझौता संभव हुआ। यह नियुक्ति भारत-नेपाल संबंधों को मजबूत करने में भी सहायक हो सकती है। बालानंद शर्मा रक्षा मंत्री बनाए गए हैं। नेपाली सेना के रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल बालानंद शर्मा ने माओवादी लड़ाकों के नेपाली सेना में समायोजन में अहम भूमिका निभाई थी। 2006 के शांति समझौते के बाद यह प्रक्रिया संवेदनशील रही। बालानंद शर्मा की सैन्य पृष्ठभूमि नेपाल की रक्षा नीतियों को स्थिरता प्रदान करेगी। पारस खड़का को युवा तथा खेलकूद मंत्री बनाया है। क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान पारस खड़का युवाओं के बीच लोकप्रिय हैं। उनकी नियुक्ति जेन-जेड आंदोलन की भावना को प्रतिबिंबित करती है, जो युवा सशक्तिकरण पर जोर देता है। असीम मान सिंह बस्नेत को फिजिकल इंफ्रा एवं यातायात मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नेपाल में शेयर राइडिंग ऐप पठाओ के फाउंडर बस्नेत उद्यमिता के प्रतीक हैं। उनकी तकनीकी समझ से नेपाल की सड़कों, पुलों और बुनियादी ढांचे में आधुनिकीकरण की संभावना है, जो नेपाल की कनेक्टिविटी चुनौतियों को हल करने में सहायक सिद्ध हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ओज़ोन परत की सुरक्षा के प्रयासों को बढ़ावा देना होगा

(लेखक – संजय गोस्वामी)

विश्व ओज़ोन दिवस 16 सितंबर 2025 पर विशेष)

विश्व ओज़ोन दिवस 2025, हर साल 16 सितंबर को मनाया जाता है। यह दिवस 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया जाता है यह दिवस पृथ्वी पर जीवन को हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) विकिरण से बचाने में ओज़ोन परत के महत्व के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने का दिन है। विश्व ओज़ोन दिवस 2025 का विषय विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई तक है, जो मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की उपलब्धियों और निरंतर महत्व को उजागर करने के लिए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की एक पहल है।मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल का स्मरण और ओज़ोन परत की सुरक्षा के प्रयासों को बढ़ावा देना होगा।यह दिन पराबैंगनी किरणों को अवशोषित करने और मानव स्वास्थ्य, पारिस्थितिक तंत्र और ग्रह की सुरक्षा में ओज़ोन परत की महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है। ओजोन परत क्षय एक गंभीर चुनौती ओजोन परत समुद्र सतह से 60 कि.मी. की ऊंचाई तक विविध सांद्रता वाली परतों में पाई जाती है। ओजोन गैस ऊपर वायुमण्डल में अत्यंत पतली एवं पारदर्शी परत बनाते हैं !ओजोन लेयर ; व्2व्त्र व्3द्ध ऑक्सीजन गैस का ही एक रूप होता है ! जब ऑक्सीजन के तीन परमाणु एक साथ जुड़ जाते है तो वो ओजोन का निर्माण करते है !वायुमण्डल में ओजोन गैस का एक छाता सा आवरण पाया जाता है जिसे ओजोन परत या ओजोन मण्डल कह सकते हैं। वायुमण्डल की ऊंचाई 16 से 29 किलोमीटर तक मानी जाती है। तापक्रम तथा वायुमण्डल के कारण वायुमण्डल का परिवर्तन मण्डल, ओजोन मण्डल, समताप मण्डल तथा मध्य मण्डल उर्ध्वाकार विभाजन किया गया है। इसमें प्रमुख है ओजोन परत मण्डल जो ओजोन परत के नाम से जाना जाता है। यह परत पृथ्वी के धरातल से 20..30 कि.मी. की ऊंचाई पर पाई जाती है ओजोन परत ऑक्सीजन के तीन परमाणु से मिलकर बनती है। यह परत वायुमण्डल में बहतु कम है यह परत धरती के निकट होती तो इससे मानव के ष्शरीर पर हानिकारक प्रभाव पड़ता जिससे मनुष्य अनेक रोगों से पीड़ित हो जाता। जहां यह परत धरती के लिए हानिकारक है, वहीं यह परत वायुमण्डल में ऊपर होने से मनुष्यों के लिए लाभदायक है। सूरज से निकलने वाली सबसे हानिकारक गैस है पैराबैंगनी किरण! पैराबैंगनी किरणे ना ही सिर्फ मनुष्य बल्कि जीव जंतुओं और वनस्पतियों के लिए अत्यंत हानिकारक है। सूरज की नुकसानदेह किरणों से बचाने वाली हमारी जीवन रक्षक परत ओजोन बेहद पतली हो चुकी है। सूर्य की पराबैंगनी किरणों से धरती को बचाने वाली ओजोन परत में छेद हो चुका है. जब आर्कटिक के ऊपर ओजोन परत में इतना विशाल छिद्र देखा गया है. वैज्ञानिकों को कई तरह की चिंताएं सता रही हैं.ओजोन परत का अध्ययन करने वाले जेट प्रॉपल्सन लैबोरेटरी कैलीफोर्निया के वैज्ञानिकों ने ताजा रिपोर्ट तैयार की है. अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के सैटेलाइट्स से मिली तस्वीरों के आधार पर रिपोर्ट कहती है कि ओजोन परत पर उत्तरी अमेरिका के आकार जितना बड़ा छेद हो चुका है. इसका आकार 2.5 वर्ग किलोमीटर आंका गया है. वैज्ञानिक 1980 से ओजोन परत में हो रहे छिद्र का अध्ययन कर रहे हैं. हर साल ग्लोब के सबसे निचले हिस्से अंटार्कटिका में जाकर ओजोन परत पर नजर रखी जा रही है.रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों को आशंका है कि ओजोन परत का छेद फैलकर दक्षिणी अमेरिका तक पहुंच सकता है. ऐसी परिस्थितियों में ब्राजील, चिली और पेरू समेत कई देशों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा. सूरज की पराबैंगनी किरणों से त्वचा का कैंसर और मोतियाबिंद जैसी बीमारियां महामारी का रूप ले सकती हैं यह सब ग्रीन हाऊस गैसों से है ग्लोबल वार्मिंग के कारण हुआ है। इनमें सबसे खतरनाक क्लोरो–फ्लोरो कार्बन गैस है जो ओजोन के परमाणुओं को कम कर रहा है। इसकी वजह से हर साल ओजोन परत 4 प्रतिशत की दर से कम हो रही हैं। यदि ओजोन के नुकसान की यही गति रही तो अगले 50 से 60 साल में ओजोन का 15 से 20 प्रतिशत भाग नष्ट हो जाएगा।इससे पराबैंगनी किरणां के पृथ्वी के धरातल पर पड़ने से तेज धूप होगी जिससे जीव–जंतुओं में जल की कमी होगी और वे गर्मी से झुलस जाएंगे। नाइट्रस आक्साइड एक हरितगृह गैस है जो वैश्विक तपन के साथ–साथ समतापमंडलीय ओजोन परत की क्षय के लिए भी उत्तरदायी है। रक्षा कवच के रूप में ओजोन परत सूर्य की हानिकारक परा–बैंगनी किरणों को अवशोषित कर पृथ्वी के जीवों की रक्षा करती है। धान की खेती के विस्तार के फलस्वरूप मीथेन गैस की उत्सर्जन की दर में बढ़ोत्तरी हुई है। मीथेन भी नाइट्रस आक्साइड की तरह हरितगृह गैस है जो वैश्विक तपन के लिए उत्तरदायी है। ओजोन परत की बिरलता न केवल तापमान वृद्धि हो रही है बल्कि जलवायु परिवर्तन का यह एक बड़ा कारण है। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम जैव–भू–जैव रासायनिक चक्र में परिवर्तन होना है। एक तरफ मानव जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है वहीं दूसरी तरफ हिमखण्ड पिघलने से भूक्षेत्र में कमी आ रही है। आने वाले समस में यह स्थिति अराजकता और अव्यवस्था का परिचायक दिखलाई पड़ रही है। ओजोन परत में विरलता से वह अमलीय वर्षा और घने कुहरे का प्रकोप दुनिया झेल रही है। वही दूसरी तरफ इस विखण्डन के नाते पराबैंगनी बीटा किरणों की अधिकता से न केवल पशु, पौधे बल्कि मानव भी बुरी तरह से दुष्प्रभावित है। विभिन्न प्रकार के होने वाले चर्म रोग, कैंसर रोग, मोतियाबिन्द, चमड़ियों में झुर्री पड़ना, त्वचा की कोशिकाओं में टूट–फूट होना इत्यादि संकट से आज यह जगत दो चार हो रहा है। समय रहते इसके समझ लें और ठीक करने की अत्यन्त आवश्यकता है। वरना आने वाली पीढ़ी इस मार को सहने को अक्षम होगी। न्यूजीलैण्ड के अंतरिक्ष वैज्ञानिकां ने आकड़ां का हवाला देते हुए कहा है कि अंटार्कटिक महाद्वीप के ऊपर आकाश में ओजोन परत का छिद्र बढ़कर काफी बड़े आकार का होकर दक्षिणी अमेरिका के एक ष्शहर तक फैल गया है। अंटार्कटिका पोल के ऊपर की परत में छेद हो गया है जो लगभग यूरोप के भौगोलिक आकार का है। ओजोन परत क्षरण का प्रमुख कारण है समताप मण्डल में अत्यधिक प्रदूषण का होना। सूर्य के प्रकाश में हरे पौधे प्रकाश संश्लेषण की क्रिया द्वारा अपना भोजन बनाते हैं परंतु जब पराबैंगनी किरणों के कारण अत्यधिक धूप होगी तो जल को वह सोख लेगी और पौधों पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा और वे सूख जाएंगे।पराबैंगनी किरणां के कारण अनेक रोग उत्पन्न होंग , हमारी रोगां से लड़ने की ष्शक्ति या क्षमता धीरे–धीरे कम हो जाएगी। पराबैंगनी किरणां के कारण हमारा ष्शरीर तो झुलस ही जाएगा, अनेक प्रकार के चर्म रोग भी उत्पन्न होंगे। अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस गति से ओजोन परत का क्षय हो रहा है। मनुष्यों के अनेक क्रियाकलापों से उत्पन्न क्लोरो फ्लोरो कार्बन (ब्थ्ब्) यौगिक हैलोजन्स (क्लोरीन,फ्लोरीन, ब्रोमीन) तथा नाइट्रस ऑक्साइड की मात्रा वायुमण्डल में अधिक है। इन सभी हानिकारक गैसों के कारण ओजोन परत में छिद्र हो रहा है। इससे सूर्य की पराबैंगनी किरणें सीधे पृथ्वी पर पड़ रही हैं। ओजोन परत के क्षरण का सबसे बड़ा कारण मनुष्यों द्वारा उत्पन्न किया गया क्लोरो फ्लोरो कार्बन यौगिक है, रेफ्रीजरेटरों और ए.सी. जैसे विद्युत उपकरणों और प्लास्टिक के फोम बनाते समय होती है।ओजोन परत के क्षरण से अधिक हानि है तालाब, झील व नदियां का सूख जाएगी अत्यधिक गर्मी के बढ़ने के कारण झील, तालाब और नदियां का पानीसूख जाएगा तथा जीव–जंतुओं का जीवन खतरे में पड़ जाएगा। प्रत्येक वर्ष ग्लोबल वार्मिंग के कारण ध्रुवों पर ग्लेशियर पिघलने की गति बढ़ती जा रही है जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण वैश्विक तपन है जो हरितगृह प्रभाव का परिणाम है। वह प्रक्रिया जिसमें पृथ्वी से टकराकर लौटने वाली सूर्य की किरणों को वातावरण में उपस्थित कुछ गैसें अवषोशित कर लेती हैं जिसके परिणामस्वरुप पृथ्वी के तापमान में वृद्धि होती है को हरितगृह प्रभाव के नाम से जाना जाता है। वह गैसें जो हरितगृह प्रभाव के लिए उत्तरदायी हैं को हरितगृह गैस के नाम से जाना जाता है। कार्बन डाईऑक्साइड ;मीथेन क्लोरोफ्लोरोकार्बन्स नाइट्रस ऑक्साइड तथा क्षोभमण्डलीय ओजोन मुख्य हरितगृह गैसें हैं जो हरितगृह प्रभाव के लिए उत्तरदायी हैं। विभिन्न कारणों से वातावरण में इनकी निरन्तर बढ़ती मात्रा से वैश्विक जलवायु परिवर्तन का खतरा दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। फलस्वरूप समुद्र के तल में असामान्य रूप से परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं जो कि सीमावर्ती क्षेत्रों व छोटे द्वीपों के लिए चेतावनी है, क्योंकि इससे उनके अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग रहा हे । सामान्यतः समुद्र का उपयोग जलमार्ग के रूप में किया जाता है। इससे इसके किनारों पर बंदरगाह का विकास होता है तथा स्थानीय शहरों का विकास व रोजगार का सृजन भी होता है । परन्तु समुद्र तल में उत्तरोत्तर बढ़ोतरी होती रही तो छोटे द्वीप व समुद्र सीमा पर बसे व्यावसायिक शहर जलमग्न हो सकते हैं। इसके फलस्वरूप एक बड़ी आबादी का पलायन, कृषि उत्पादन में कमी, स्वस्च्छ जल उपलब्धता का संकट एवं मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव इसकी भयावहता को प्रकट करती है ।प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन तथा अनुचित मानवीय क्रियाकलापों से पर्यावरण को अपूर्णीय क्षति पहुंच रही है इसके अनेक उदाहरण हमारे सामने हैं परन्तु भविष्य की कल्पना कर हम इसे संरक्षित व और अधिक लाभकारी बनाने का प्रयास कर सकते हैं।वर्तमान में शहरी क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट की समस्या बहुत विकराल रूप ले चुकी है तथा इसमें अधिकतम प्रतिशत घरेलु व व्यवसायिक संस्थानों से निकला प्लास्टिक अपशिष्ट है जो कि नॉन–बायोडिग्रेडेबल होता है जो अनेक तरह के पर्यावरणीय प्रदूषणों का कारक होता है । जन सामान्य को पॉलीथिन अपशिष्ट से पर्यावरण पर पड़ने वाले दीर्घकालिक दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से तथा पॉलीथीन के सीमित या उपयोग न करने के बारे में औद्योगिक इकाइयों द्वारा भी विभिन्न प्रकार के प्रदूषकों का उत्सर्जन होता है जिसका दीर्घकालिक प्रभाव होता है जाती है। भीषण बाढ़ व तूफान ־ जब अधिक गर्मी बढ़ेगी तो हिमालय एवं अन्य बर्फीले क्षत्रां की बर्फ पिघलेगी और समुद्र में जल की मात्रा अधिक हो जाएगी तथा भीषण बाढ़ के साथ तूफानों के आने की संभावना भी है।ओजोन परत का नाश करने में सबसे बड़ा योगदान हम मनुष्यो का ही है !

संपादकीय

मणिपुर पर मरहम

लंबे समय तक अशांत रहे मणिपुर के मुद्दे पर अकसर विपक्ष आरोप लगाता रहा है कि प्रधानमंत्री मणिपुर क्यों नहीं जाते। अब वह प्रतीक्षित यात्रा हकीकत बनी है। कहा जा सकता है कि संघर्षरत राज्य की जनता के बीच विश्वास की कमी को दूर करने का यह सार्थक प्रयास जरूरी था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर को शांति और समृद्धि का प्रतीक बनाने का संकल्प जताया है। लेकिन मौजूदा चुनौतीपूर्ण स्थिति सरकार के संकल्प की परीक्षा लेगी। हालांकि,लगभग ढाई साल पहले भड़की जातीय हिंसा हाल के महीनों में, खासकर फरवरी में राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद कम हो गई है। लेकिन भविष्य में हिंसा की आशंका को निर्मूल नहीं कहा जा सकता है। ऐसी दशा में इस संवेदनशील राज्य में केंद्र सरकार को सामान्य स्थिति की बहाली और दीर्घकालिक शांति स्थापना के लिये हर संभव प्रयास करने चाहिए। दरअसल,राज्य में स्थायी शांति के मार्ग में जो एक सबसे बड़ी बाधा है, वह है पर्वतीय इलाकों में रहने वाले कुकी समुदाय और घाटी में रहने वाले बहुसंख्यक मैतेई समुदाय के लोगों के बीच लगातार कम होता विश्वास। ऐसे में सरकार का दायित्व बनता है कि दोनों समुदायों की आकांक्षाओं में संतुलन बनाए। ताकि दोनों समुदायों की चिंता और शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जा सके। विगत में मैतेई समुदाय के लोग अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिये जाने की मांग करते रहे हैं। यह एक ऐसा विवादास्पद मुद्दा था, जिसने कुकी–जो समुदाय के लोगों में असुरक्षा व अशांति पैदा कर दी। जिसे दूर किए जाने की सख्त जरूरत है। दरअसल, हाल के हिंसक संघर्ष ने राज्य में मतभेदों को मनभेद में बदल दिया है। कुकी–जो विधायकों के एक समूह, जिसमें भाजपा के भी सात विधायक शामिल हैं, ने कहा है कि 'दोनों पक्ष केवल अच्छे पड़ोसियों के रूप में शांति से रह सकते हैं,लेकिन फिर कभी एक छत के नीचे नहीं।' उनकी मांग रही है कि गैर–मैतेई समुदायों के लिये अलग विधायिका सहित अलग केंद्रशासित प्रदेश बनाया जाए। यह सोच दोनों समुदायों के बीच गहरे मतभेद को उजागर करती है, जिसने मणिपुर को गहरी क्षति पहुंचायी है। इस पूर्वोत्तर राज्य में विधानसभा चुनाव होने में अभी डेढ़ साल बाकी है। राज्य में हिंसा की पुनरावृत्ति रोकने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार पर है ताकि विधानसभा चुनाव में देरी न हो। केंद्र सरकार को विधानसभा को लंबे समय तक निलंबित रखने के फायदे और नुकसान का भी आकलन करना होगा। लेकिन फिलहाल, प्राथमिकता के आधार पर ध्यान विस्थापित परिवारों के पुनर्वास पर देने की जरूरत है। उससे भी महत्वपूर्ण, राज्य में सक्रिय चरमपंथी समूहों के लोगों को हथियार डालने के लिये प्रोत्साहित करने की जरूरत है। विकास परियोजनाओं पर काम जल्दी शुरू करने तथा उनके क्रियान्वयन में तेजी लाने से भी मणिपुर के लोगों का विश्वास हासिल करने में मदद मिलेगी। ऐसे तमाम प्रयास मणिपुर के आहत लोगों की विश्वास बहाली में मददगार साबित हो सकते हैं। निस्संदेह, इस बार केंद्र सरकार की तरफ से कोई चूक नहीं होनी चाहिए।

ओजोन परतः जीवन की ढाल और उसके संरक्षण का संकल्प

(लेखक– ललित गर्ग)

(विश्व ओजोन दिवस– 16 सितम्बर, 2025)

ओजोन परत पृथ्वी पर मानव जीवन की ढाल है, क्योंकि यह समताप मंडलीय परत पृथ्वी को सूर्य की अधिकांश हानिकारक पराबैंगनी विकिरण से बचाती है। सूर्य के प्रकाश के बिना मानव, प्रकृति एवं जीव–जंतुओं का जीवन को संभव नहीं है, लेकिन सूर्य की सीधी किरणें मानव के लिये हानिकारक भी है, इन हानिकारक किरणों से ओज़ोन परत ही रक्षा करती है, जीवन को संभव बनाती है। धरती पर बढ़ रही पर्यावरण विनाश की गतिविधियों के कारण ओजोन परत का क्षरण होने लगा, जब 1970 के दशक के अंत में वैज्ञानिकों को पता चला कि मानव निर्मित प्रकृति दोहन इस सुरक्षा कवच में छेद कर रही है, तो उन्होंने चिंता जताई। ओजोन परत में यह छेद दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, जो रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर जैसे एयरोसोल और शीतलन उपकरणों में इस्तेमाल होने वाली ओज़ोन–क्षयकारी गैसों (ओडीएस) के कारण हो रहा था, जिससे त्वचा कैंसर और मोतियाबिंद के मामलों में वृद्धि और पौधों, फसलों और पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुँचाने का खतरा पैदा कर रहा था। ओजोन परत का क्षरण एक गंभीर खतरा एवं चुनौती के रूप में सामने आया। इसलिये वियना कन्वेंशन में ओजोन के संरक्षण के लिये प्रतिवर्ष विश्व ओजोन दिवस मनाया जाने लगा। इस वर्ष हम वियना कन्वेंशन की 35वीं वर्षगांठ और वैश्विक ओज़ोन परत संरक्षण की 35वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। हर साल, विश्व ओज़ोन दिवस वर्तमान चुनौतियों और प्रगति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक अनूठी थीम पर मनाया जाता है। 2025 का आधिकारिक थीम्जीवन के लिए ओज़ोन' है। यह थीम हमारे ग्रह के लिए एक प्रभावी एवं रक्षात्मक ढाल के रूप में ओज़ोन परत के निरंतर महत्व पर प्रकाश डालती है और मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की वैश्विक सफलता और भविष्य की संभावनाओं का जश्न मनाती है। पृथ्वी की सतह से 10 से 40 किलोमीटर ऊपर समताप मंडल में स्थित ओज़ोन परत हमें हानिकारक पराबैंगनी विकिरण (यूवी रेडियेशन) से बचाती है। यह सुरक्षात्मक परत, जिसे स्ट्रैटोस्फेरिक ओज़ोन या अच्छी ओज़ोन के रूप में जाना जाता है, मोतियाबिंद और त्वचा कैंसर जैसे प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों को रोकती है तथा कृषि, वानिकी और जलीय जीवन की रक्षा करती है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि ओज़ोन परत केवल एक वैज्ञानिक शब्द नहीं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा कवच है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1994 में स्थापित, यह दिवस 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर की तिथि को चिह्नित करता है, जो एक महत्वपूर्ण घटना थी जब दुनिया ओज़ोन परत को नुकसान पहुँचाने वाले पदार्थों को नियंत्रित करने के लिए एकजुट हुई थी। ओज़ोन परत पृथ्वी के समताप मंडल में स्थित है और सूर्य की अधिकांश हानिकारक पराबैंगनी किरणों को अवशोषित करती है, जिससे इसका संरक्षण सभी प्रकार के जीवन के लिए आवश्यक है। इस दिवस का उद्देश्य ओज़ोन परत के क्षरण को रोकना और पर्यावरणीय संतुलन की रक्षा करना है। यदि यह परत क्षतिग्रस्त हो जाए तो पृथ्वी पर जीवन असुरक्षित हो जाएगा। महात्मा गांधी ने कहा था कि प्रकृति हर व्यक्ति की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त साधन देती है लेकिन लालच को पूरा करने के लिए नहीं। यही कथन आज ओज़ोन संकट की मूल जड़ को समझाता है। ओज़ोन परत के क्षरण के मुख्य कारणों में क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) युक्त गैसें हैं जो फ्रिज, ए.सी., एरोसोल स्प्रे और फोम में प्रयुक्त होती हैं। वाहनों और उद्योगों से निकलने वाले प्रदूषक, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग तथा वनों की अंधाधुंध कटाई और प्राकृतिक संसाधनों का दोहन भी इसके प्रमुख कारण हैं। इसका सीधा प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। त्वचा कैंसर और आँखों का मोतियाबिंद बढ़ रहा है, रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो रही है और बच्चों व बुजुर्गों में श्वसन संबंधी बीमारियाँ तेजी से फैल रही हैं। ओज़ोन क्षरण जलवायु परिवर्तन और मौसम की चरम स्थितियों को भी जन्म देता है। ग्लेशियर पिघलने की गति तेज हो रही है, समुद्र तल बढ़ रहा है जिससे तटीय शहर खतरे में हैं और बेमौसम बारिश, लू तथा चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाएँ आम होती जा रही हैं। पर्यावरण पर भी इसका गहरा असर देखा जा रहा है। पौधों की वृद्धि और फसल उत्पादन प्रभावित हो रहा है, जल–जीवों और समुद्री पारिस्थितिकी को हानि पहुँच रही है और जैव विविधता असंतुलित हो रही है।

बढ़ते प्रदूषण और वाहन संकट ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। वाहनों से निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसें और धुआँ न केवल वायु प्रदूषण को बढ़ा रहे हैं बल्कि ओज़ोन परत को भी कमजोर कर रहे हैं। महानगरों में दमघोंटू धुआँ, बदली हुई वर्षा प्रणाली और सांस की बीमारियाँ इसी का परिणाम हैं। इस संकट से निपटने के लिए हमें ठोस कदम उठाने होंगे। पर्यावरण–अनुकूल तकनीक का प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन और साइकिल जैसी स्वच्छ यातायात व्यवस्था का अपनाना, पेड़ लगाना और वनों का संरक्षण करना, सीएफसी और हानिकारक रसायनों पर नियंत्रण तथा सौर, पवन और जल जैसी नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करना आज की आवश्यकता है। ओज़ोन परत पृथ्वी के जीवन की प्राकृतिक ढाल है। यदि यह नष्ट हो गई तो जीवन की सुरक्षा संकट में पड़ जाएगी।

ओज़ोन परत का संरक्षण एवं संवर्द्धन का संकल्प दर्शाता है कि विज्ञान द्वारा निर्देशित सामूहिक निर्णय और कार्रवाई ही प्रमुख वैश्विक संकटों का समाधान है। कोरोना वायरस महामारी जैसे महासंकटों ने इतनी सामाजिक और आर्थिक कठिनाइयाँ पैदा की हैं, ओज़ोन संधियों का सद्भाव और सामूहिक भलाई के लिए मिलकर काम करने का संदेश पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक हो गया है।

कैंची काटती है, सुई जोड़ती है

कैंची काटती (तोड़ती) है और सुई जोड़ती है। यही कारण है कि तोड़ने वाली कैंची पैर के नीचे पड़ी रहती है और जोड़ने वाली सुई सिर पर स्थान पाती है। इसलिए मनुष्य का यही धर्म है कि इनसान को जोड़े न कि तोड़े। उन्होंने सास–बहू में एका होने का आह्वान भी किया। राष्ट्र संत तरुण सागर महाराज ने कई उदाहरणों के माध्यम से अपनी बातें रखीं। एक पिता अपने छोटे से पुत्र को विश्व का एक नक्शा देता है। फिर उसे टुकड़े–टुकड़े कर पुत्र को जोड़ने के लिए कहता है। पुत्र उस नक्शे को ज्यों का त्यों जोड़ देता है। अपने बेटे की प्रतिभा से आश्चर्यचकित पिता पूछता है कि बेटे तुमने यह असंभव कार्य कैसे कर लिया। बेटा कहता है कि पिताजी, नक्शा के पीछे इनसान बना हुआ था। मैंने इनसान को जोड़ा तो नक्शा भी ज्यों का त्यों जुड़ गया। मुनिश्री ने कहा कि इनसान को जोड़ने से पूरा विश्व एक हो सकता है। हे मानव 36 का आँकड़ा बहुत बना लिए, अब 63 का आँकड़ा बनाइए। बुजुर्गों के अनुभव का बखान करते हुए मुनिश्री ने कहा कि बुजुर्ग की एक–एक झुर्री पर एक–एक शास्त्र का ज्ञान लिखा होता है। बुजुर्ग की अवहेलना मत करिए। वे जो कह रहे हैं, उसे सुनो। उल्टा जवाब मत दो। जवाब दोगे तो घर का माहौल खराब हो जाएगा। झगड़ा, क्लेश व द्वेष फैलेगा। बुजुर्गों का सम्मान करना सीखो। आज जो बुजुर्गों के साथ करोगे, वहीं तुम्हारे साथ होगा।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पक्ष में लाखों प्रदर्शनकारी लंदन की सड़कों पर, नफरत के खिलाफ आंदोलन

(लेखक–सनत जैन)

हाल ही में ब्रिटेन की राजधानी लंदन की सड़कों पर लाखों लोग प्रदर्शन के लिए एकत्रित हुए। इसमें एक महत्वपूर्ण संदेश गूंजा। लाखों लोग एकजुट होकर कट्टरपंथ, नफरत के खिलाफ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए सड़कों पर उतरे। यह एक ऐसा आंदोलन था, जिसने दिखा दिया, प्रेम, सहिष्णुता और लोकतंत्र की शक्ति नफरत और विभाजन से अधिक शक्तिशाली है। टॉमी रॉबिनसन के नेतृत्व में नरम दक्षिणपंथी संगठनों ने एक बड़े प्रदर्शन का आयोजन किया। इसके विरोध में 'स्टैंड अप टू रेसिज्म' के तहत एक विशाल काउंटर प्रोटेस्ट ने यह साबित किया। ब्रिटेन का समाज आज भी समावेशिता और मानवाधिकारों के प्रति सजग है। नेपाल के प्रदर्शन एवं सत्ता पलटने के तुरंत बाद लंदन की सड़कों पर लोखों प्रदर्शनकरी पंहुच गये हैं। ब्रिटेन भी मंहगाई, बेरोजगारी एवं नस्लवाद की समस्या से उद्वेलित है। इस प्रदर्शन को दुनियां के सभी देशों में चिंता के रूप में देखा जा रहा है। ड्डदक्षिणपंथी रैली में लाखों लोग यूनियन फ्लैग, सेंट जॉर्ज क्रॉस, अमेरिकी और इजरायली झंडे को लेकर एक साथ प्रदर्शन करते नजर आए। कुछ प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री के खिलाफ नारे लगा रहे थे। अवैध प्रवासियों के खिलाफ गुस्से का इज़हार कर रहे थे। इस रैली का नेतृत्व करने वाले प्रदर्शनकारी इसे अभिव्यक्ति की आज़ादी का जश्न भी कह रहे थे। किसी भी लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आज़ादी तभी सजीव रह सकती है। जब वह हिंसा और नफरत से परे हो। प्रदर्शन में दूसरी ओर, 'स्टैंड अप टू रेसिज्म' के तहत हजारों लोग पोस्टर और तख्तियां लेकर सड़कों पर उतरे थे। इन पोस्टरों पर लिखा था।ज्ञटॉमी रॉबिनसन का विरोध करोज्ञ, ज्ञरिफ्यूजीज वेलकमज्ञ और ज्ञनफरत नहीं, प्रेम फैलाओ। प्रदर्शनकारियों का एक बड़ा समूह नारे लगा रहा था, लोकतांत्रिक समाज में सभी का स्वागत होना चाहिए। यह कहकर प्रदर्शन में शामिल हुआ। कुछ प्रदर्शनकारी अति दक्षिणपंथी ताकतें जो समाज पर कब्जा करना चाहती हैं। उनके विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। प्रवासियों को दोषी ठहराना, पूरी तरह से उन्हें गलत बताने का विरोध कर रहे थे। प्रदर्शनकारी अभिव्यक्ति की आज़ादी के लिए यह प्रर्दशन लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए था। इसको लेकर यह प्रदर्शन अपने आप में यह बता रहा था ब्रिटेन में आज भी मानवीय मूल्यों का विशेष स्थान है। विरोधी गुटों को कंट्रोल करने में पुलिस की भूमिका बहुत अहम रही। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने एक निष्पक्ष नीति अपनाई। दोनों पक्ष के प्रदर्शनकारियों के बीच एक चैन बनाकर उन्हें एक दूसरे से अलग रखा। पुलिस कमांडर क्लेयर हंस की भूमिका की सराहना हो रही है। उन्होंने इतने बड़े प्रदर्शन में अलग–अलग विचारधारा के लोग हों। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था अथवा संघर्ष की स्थिति नहीं बनने दी। ब्रिटेन के विविध समुदाय के प्रर्दशनकारी सुरक्षित रूप से अपनी अभिव्यक्ति कर पाएं। पुलिस ने इसका पूरा ध्यान रखा, उसमें वह सफल भी हुए। यह प्रदर्शन ब्रिटेन में बढ़ते प्रवासी–विरोधी रुझान को प्रदर्शित कर रहा था। एक तरफ प्रदर्शनकारी राष्ट्रीय गर्व के नाम पर विदेशी नागरिकों के प्रति नफरत का संदेश फैला रहे थे। वहीं दूसरी ओर ब्रिटेन की बहुसंख्यक समाज इस घृणा के खिलाफ आवाज उठाने एकजुट हुई। इस प्रदर्शन से स्पष्ट हो गया कि लोकतंत्र केवल बहुमत की ताकत केवल पर नहीं चल सकता है। लोकतंत्र मानवता, समानता और सहिष्णुता का प्रतीक है। समाज को समझना होगा, नफरत का प्रसार केवल आंतरिक संघर्ष और विनाश को बढ़ावा देता है। इसके मुकाबले प्रेम और आपसी सदभाव और एकजुटता का संदेश ही सामाजिक विकास एवं सुनहरे भविष्य का रास्ता है। लंदन की सड़कों पर प्रदर्शनकारियों ने यही रास्ता दिखाया है। विभिन्न विचारधारा के लोग एकजुट होकर, बिना भय के मानवाधिकारों की रक्षा करते हुए, नफरत के खिलाफ एक साथ अभिव्यक्ति व्यक्त कर सकते हैं। लंदन का यह आंदोलन पूरी दुनिया के लिए मिसाल है। जिसने साबित किया है, अपने–अपने विचारों के साथ मानवीय संवेदनाओं के साथ विभिन्न विचारधारा के लोग प्रेम से एक साथ रह सकते है। ब्रिटेन एक मामले में और भी अन्य देशों से अलग है। यहां पर राजशाही की व्यवस्था होते हुए ,लोकतांत्रिक व्यवस्था एक साथ चल रही है। ब्रिटेन के लोग अपनी परंपराओं और अपने रीति–रिवाज को लेकर काफी सजग रहते हैं ।शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखते हैं। अपनी–अपनी विचारधारा का पालन करते हुए पूरे समाज में शांति बनाए रखते हैं। इसके लिए ब्रिटेन को आज भी दुनिया का श्रेष्ठ देश माना जाता है। लंदन में हुए हाल के प्रदर्शन से यह साबित होता है। विभिन्न विचारधारा के लोग एक साथ रहते हुए प्रेम एवं सद्भाव के साथ सभी को समान अधिकार के रुप में देखते हैं। अपनी विचारधार किसी के उपर थोपते नहीं हैं। स्वतंत्र रुप से अपने विचारों की अभिव्यक्ति कर सकते हैं। ब्रिटेन की खूबी उसे अन्य देशों से प्रथक रखती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केआरबीएल ने किया अपने शेयरधारकों को 3.5 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान

नई दिल्ली एग्रीकल्चर प्रोडक्ट सेक्टर की दिग्गज कंपनी केआरबीएल लिमिटेड ने वित्त वर्ष 31 मार्च 2025 को खत्म होने पर अपने शेयरधारकों के लिए फाइनल डिविडेंड 3.5 रुपए प्रति शेयर देने का ऐलान किया है। कंपनी का मार्केट कैप करीब 10,165 करोड़ रुपए है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि 17 सितंबर बुधवार को रिकॉर्ड डेट तय की है। इसका मतलब है कि इस दिन जिन निवेशकों के पास कंपनी के शेयर होंगे, वही फाइनल डिविडेंड पाने के हकदार होंगे। कंपनी का फेस वैल्यू 1 रुपए प्रति शेयर है और उस पर 350 फीसदी यानी 3.5 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड घोषित किया गया है।केआरबीएल लिमिटेड लगातार अपने निवेशकों को डिविडेंड देती रही है। पिछले साल कंपनी ने 4 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड घोषित किया था। उससे पहले 2023 में 1 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड और शेयर बायबैक किया था। वहीं, 2022 में भी कंपनी ने 3.5 रुपए प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड दिया था। बता दें शुक्रवार को बीएसई पर केआरबीएल का शेयर 0.7 फीसदी या 3.05 रुपए गिरकर 444.10 रुपए पर बंद हुआ, जबकि पिछले कारोबारी दिन यह 447.15 रुपए पर बंद हुआ था।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव आया

नई दिल्ली घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। चारों महानगरों में दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये जबकि डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर है। वहीं मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर जबकि कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें पिछले कई दिनों से 67 डॉलर के आसपास बनी हुई हैं। इससे घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर भी प्रभाव पड़ा है तेल कंपनियों की ओर से सुबह पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट रही। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल की कीमतें 35 पैसे कम हुई हैं, बिहार में भी इसकी कीमतों में कमी आई है हालांकि तेल कंपनियों ने चारों महानगरों में तेल कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। तेल कंपनियों के अनुसार गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल की कीमतें 35 पैसे कम हुई हैं और ये 94.77 रुपये लीटर जबकि डीजल 40 पैसे नीचे आकर 89 रुपये लीटर पहुंच गया है। लखनऊ में भी पेट्रोल 11 पैसे गिरावट के साथ 94.58 रुपये लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 13 पैसे गिरकर 87.68 रुपये लीटर बिक रहा है। दूसरी ओर बिहार में तेल की कीमतें बढ़ी हैं। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 51 पैसे बढ़त के साथ 106.11 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 49 पैसे बढ़कर 92.32 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतें मामूली रूप से बढ़ गई हैं। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 67.07 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है।

पुरानी कार मालिकों की जेब पर बढ़ेगा बोझ

नई दिल्ली सड़क परिवहन मंत्रालय ने पुराने वाहनों की फिटनेस टेस्ट फीस में भारी बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव के लागू होने के बाद अगर आपके पास 20 साल से पुरानी कार है, तो अब जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ने वाला है। नए नियम लागू होने पर कार मालिकों को फिटनेस टेस्ट कराने के लिए 2,600 रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। वहीं, 15 साल से पुराने ट्रक और बसों की फिटनेस फीस 25,000 रुपये तक होगी। अब तक रजिस्ट्रेशन के 15 साल पूरे होने पर आरटीओ महज औपचारिक जांच कर फिटनेस सर्टिफिकेट दे देता था। लेकिन अब प्रस्ताव है कि हर 15 साल पुराने वाहन को स्वचालित मशीनों पर तकनीकी टेस्ट से गुजरना होगा। सरकार का तर्क है कि पुराने वाहन प्रदूषण और सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी वजह हैं। बढ़ी हुई फीस से लोग नई गाड़ियां खरीदने की ओर बढ़ेंगे और पुराने वाहनों को धीरे-धीरे हटाया जा सकेगा। कमर्शियल वाहनों पर असर सबसे ज्यादा होगा।प्रस्ताव के अनुसार, 10, 13, 15 और 20 साल पुराने ट्रक-बसों की फीस अलग-अलग तय की जाएगी। खासतौर पर छोटे ऑपरेटरों के लिए ये नई लागत भारी पड़ सकती है, क्योंकि वे पहले ही ईंधन और टैक्स की मार झेल रहे हैं। वर्तमान नियमों के अनुसार, कमर्शियल वाहन आठ साल तक हर दो साल में फिटनेस टेस्ट से गुजरते हैं और उसके बाद हर साल।

विदेशी संस्थागत निवेशक निकाल रहे भारत से पैसा....चीन और जापान में निवेश

नई दिल्ली

विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआईएस) लगातार भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे हैं और बिकवाली का स्तर करीब रिकॉर्ड तक पहुंच गया है। जानकार का कहना है कि इसका बड़ा हिस्सा चीन और अन्य एशियाई बाजारों में जा रहा है, जहां वैल्यूएशन भारत की तुलना में सस्ता है और इस साल का प्रदर्शन भी बेहतर रहा है।विश्लेषकों के मुताबिक भारतीय बाजार को हमेशा प्रीमियम मिला है लेकिन हाल की कमजोर तिमाही नतीजों और सुस्त अर्निंग ग्रोथ ने विदेशी निवेशकों का भरोसा तोड़ा। इसके उलट घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआईएस) लगातार खरीदारी कर रहे हैं। उम्मीद है कि अगर आने वाले महीनों में अर्निंग्स में सुधार होता है, तब एफआईआई निवेश फिर से लौट सकता है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने और कंपनियों के निराशाजनक रिजल्ट्स ने विदेशी निवेशकों की धारणा को कमजोर किया है। सर्वे के अनुसार, 30 प्रतिशत ग्लोबल फंड मैनेजर्स फिलहाल भारत को अंडरवेट मान रहे हैं,

जबकि जापान और चीन उनकी नई पसंद बने हुए हैं। सिर्फ जुलाई में ही विदेशी निवेशकों ने भारतीय टेक शेयरों से करीब 20,000 करोड़ की हिस्सेदारी घटाई। आईटी कंपनियों के कमजोर आउटलुक, डॉलर की मजबूती और ऊंची बॉन्ड यील्ड्स ने मिलकर बाजार पर दबाव बढ़ाया है। नतीजतन, बीते डेढ़ महीने में भारत ने अपने एशियाई साथियों की तुलना में कमजोर प्रदर्शन किया है।

सैमसंग का नया गैलेक्सी एस25 एफई लॉन्च

नई दिल्ली सैमसंग का नया गैलेक्सी एस25 एफई भारत में लॉन्च हो चुका है। अब टिप्स्टर योगेश ब्रार ने दावा किया है कि इसका शुरुआती वेरिएंट 59,999 रुपये में आ सकता है। सैमसंग गैलेक्सी एस25 एफई में 6.7-इंच एफएचडी प्लस डायनामिक अमोलेड 2एक्स डिस्प्ले है, जो 120 एचझेड रिफ्रेश रेट और विजन बुस्टर टेक्नोलॉजी के साथ आता है। फोन में 50एमपी ओआईएस मेन कैमरा, 12एमपी अल्ट्रा-वाइड और 8एमपी टेलीफोटो लेंस दिया गया है। सेल्फी के लिए इसमें 12एमपी फ्रंट कैमरा मौजूद है। यह स्मार्टफोन सैमसंग के एक्सीनोस 2400 चिपसेट से लैस है, जो 4 एनएम फैब्रिकेशन पर आधारित डेका-कोर प्रोसेसर है। इसमें 8जीबी रैम और 128जीबी, 256जीबी तथा 512 जीबी तक स्टोरेज विकल्प मिलेंगे। यह फोन अरमोर एल्यूमिनियम फ्रेम और आईपी68 रेटिंग के साथ आता है, यानी यह डस्ट और वॉटर रेजिस्टेंट है। इस फोन का मुकाबला भारत में आईक्यूओ 13, वनप्लस 13 और गूगल पिक्सल 9 प्रो जैसे फ्लैगशिप डिवाइस से होगा। बैटरी 4,900 एमएएच की है, जो 45वॉट फास्ट चार्जिंग और वायरलेस चार्जिंग दोनों सपोर्ट करती है। गैलेक्सी एस25 एफई एंड्रॉएड 16 आधारित वन यूआई 8 पर चलता है।

सोने में गिरावट, चांदी कमजोर शुरुआत के बाद उछली

नई दिल्ली घरेलू बाजार में सोने में गिरावट आई है। वहीं चांदी में शुरुआती गिरावट के बाद बढ़त दर्ज की गयी। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दोनों ही कीमती धातुओं के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले पर बाद में चांदी की कीमतें ऊपर आयीं। वहीं गत सप्ताह ही चांदी की कीमतें अपने शीर्ष स्तर पर पहुंच गयीं। घरेलू बाजार में सोने के भाव 1,09,200 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,29,000 रुपये पर कामकाज कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी की वायदा कीमतों में गिरावट रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध 115 रुपये नीचे आकर 1,09,255 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,09,370 रुपये था। एक समय ये अनुबंध 131 रुपये की गिरावट के साथ 1,09,239 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,09,265 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,09,150 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव ने इस माह 1,09,840 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया।चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध 1,717 रुपये की गिरावट के साथ 1,27,121 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,28,838 रुपये था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोमवार को सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई कॉमेक्स पर सोना 3,6780.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 3,686.40 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 6.90 डॉलर की गिरावट के साथ 3,679.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने 3,715 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 118.96 अंक टूटकर 81,785.74 और 50 शेयरों वाला एनएसइ निफ्टी 44.80 अंक नीचे आकर 25,069.20 पर बंद हुआ।वहीं लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप में भी खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 258.90 अंक बढ़कर 58,486.10 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 137.10 अंक ऊपर आकर 18,127 पर बंद हुआ।वहीं सेक्टोरल आधार पर देखें तो पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, मेटल, रियल्टी, एनर्जी, प्राइवेट बैंक और इन्फ्रा शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि ऑटो, आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, कंजप्शन और सर्विसेज के शेयर गिरावट पर बंद हुए। सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, एसबीआई, ट्रेंट और आईसीआईसीआई बैंक टॉप के शेयर लाभ में रहे जबकि एमएंडएम, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, टाइटन, सन फार्मा, टीसीएस, टेक महिंद्रा और टाटा स्टील के शेयरों में नुकसान हुआ। भारतीय इक्विटी बाजारों की आज मिली-जुली शुरुआत हुई थी, लेकिन अंतिम कारोबारी घंटों में बिकवाली रही। इस सप्ताह के अंत में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति घोषणा को लेकर भी निवेशकों ने सावधानी बरती। बाजार की आज सुबह सपाट शुरुआत हुई। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों पर फैसले से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। सेंसेक्स 20 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 81,925.51 अंक पर खुला। वहीं कुछ ही देर में इसमें गिरावट आने लगी। सुबह सेंसेक्स 39.76 अंक टूटकर 81,864.94 पर कारोबार कर रहा था।वहीं इसी प्रकार निफ्टी भी बढ़कर खुला पर कुछ देर बाद ही नीचे आने लगा। कुछ समय बाद ही ये 25,092 पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती और इस महीने वस्तु एवं सेवा कर में बदलाव के बाद भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक ने भारतीय शेयरों में बिकवाली जारी रखी है। वहीं एशियाई बाजारों में सोमवार को मिलाजुला रुख देखने को मिला। अमेरिकी वॉल स्ट्रीट पर नैस्डैक कंपोजिट ने एक और रिकॉर्ड हाई दर्ज किया। यह लगातार दूसरे सप्ताह 2 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो अगस्त की शुरुआत के बाद से इसका बेस्ट वीकली प्रदर्शन है। जबकि डॉव में 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

अगस्त माह में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 0.52 प्रतिशत

नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त माह में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर 0.52 प्रतिशत रही। जुलाई में यह -0.58 प्रतिशत पर थी।अगस्त में महंगाई दर सकारात्मक रहने की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों, अन्य विनिर्मित वस्तुओं, गैर-खाद्य उत्पादों, गैर-धात्विक खनिज उत्पादों और परिवहन उपकरणों की कीमतों में बढ़ोतरी रही। जुलाई में थोक महंगाई दर घटकर माइनस 0.58 प्रतिशत पर आ गई थी, जो बीते दो साल का निम्न स्तर था। इससे पहले जून 2023 में यह माइनस 4.12 प्रतिशत रही थी। वहीं, मई 2025 में डब्ल्यूपीआई 0.39 प्रतिशत और अप्रैल 2025 में 0.85 प्रतिशत पर दर्ज हुई थी।रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई माइनस 4.95 से बढ़कर माइनस 2.10 प्रतिशत हो गई। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई माइनस 2.15 से बढ़कर 0.21 प्रतिशत हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर माइनस 2.43 प्रतिशत से घटकर माइनस 3.17 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 2.05 प्रतिशत से बढ़कर 2.55 प्रतिशत रही। वहीं अगस्त में रिटेल महंगाई दर जुलाई के 1.61 प्रतिशत से थोड़ा बढ़कर 2.07 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इसकी वजह खाने-पीने की कुछ वस्तुओं की कीमतों में हल्की बढ़ोतरी है। रिटेल महंगाई के आंकड़े 12 सितंबर को जारी हुए थे।डब्ल्यूपीआई बास्केट का सबसे बड़ा हिस्सा विनिर्मित उत्पादों का है। अगस्त में इनकी कीमतें जुलाई के मुकाबले 0.21 फीसदी बढ़ीं। खाद्य उत्पादों, वस्त्रों, विद्युत उपकरणों, अन्य परिवहन उपकरणों और मशीनरी की कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई। वहीं, बेसिक मेटल, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल प्रोडक्ट्स, परिधान, लकड़ी और उससे बने उत्पादों तथा फर्नीचर की कीमतें इस दौरान घट गईं। इसी बीच, खुदरा महंगाई दर (सीपीआई) भी अगस्त में बढ़कर 2.07 फीसदी पर पहुंच गई, जो जुलाई में 1.61 फीसदी थी।

अगस्त में मारुति सुजुकी इर्टिगा ने बाजी मारी

नई दिल्ली अगस्त 2025 में भारतीय बाजार में कार बिक्री के आंकड़े जारी हुए हैं। अगस्त महीने में बिक्री के मामले में मारुति सुजुकी इर्टिगा ने बाजी मारी। एमपीवी सेगमेंट की इस कार ने 18,365 यूनिट्स की बिक्री के साथ देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनकर सबको पीछे छोड़ दिया।दूसरे नंबर पर मारुति सुजुकी डिजायर रही, जिसकी बिक्री 55 प्रतिशत बढ़कर 16,509 यूनिट्स रही। तीसरे पर ह्यूदै क्रेटा रही, हालांकि इसकी बिक्री 5 प्रतिशत घटकर 15,924 यूनिट्स रही। चौथे पर वेगनआर रही, जिसकी बिक्री 14,552 यूनिट्स रही। टॉप-5 में टाटा नेक्सान भी शामिल रही, जिसने 14,004 यूनिट्स बेचीं।

वहीं, मारुति ब्रेझा की बिक्री 29 प्रतिशत गिरकर 13,620 यूनिट्स रही। इसके अलावा बलेनो (12,549 यूनिट्स), फ्रोंक्स (12,422 यूनिट्स) और स्वीफ्ट (12,385 यूनिट्स) ने टॉप-10 में जगह बनाई। दसवें नंबर पर मारुति इको रही, जिसकी बिक्री 10,785 यूनिट्स रही। महिंद्रा स्कार्पियो 9,840 यूनिट्स के साथ 12वें स्थान पर रही, जबकि टोयोटा इनोवा 9,304 यूनिट्स के साथ 13वें स्थान पर। किआ सोनेट, महिंद्रा बोलेरो और ह्यूदै वेन्यू ने भी अच्छी बिक्री दर्ज की। 25वें नंबर पर टोयोटा ग्लांझा रही, जिसकी 5,102 यूनिट्स बिकीं।

16-17 सितंबर को होने वाली बैठक में तय होगा सोने का भविष्य...गिरेगा या फिर और बढ़ेगा

नई दिल्ली

सोने की कीमतों पर अमेरिका की फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) की 16-17 सितंबर को होने वाली नीतिगत बैठक का गहरा असर पड़ने की उम्मीद है। बाजार और निवेशकों की नजर बैठक पर टिकी है क्योंकि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को लेकर एक बड़ा फैसला ले सकता है। अगर फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कड़ा फैसला लेता है, यानी उन्हें बढ़ाता है, तब सोने की कीमतों में 30,000 से 35,000 तक की बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। पिछले चार हफ्तों में सोने की कीमतों में 10 प्रतिशत से ज़्यादा की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन फेड की बैठक से पहले निवेशक सतर्क हो गए हैं। वे ऊंचे स्तर पर नए सौदे करने से बच रहे हैं। क्योंकि अगर फेड की होने वाली बैठक में ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी होती हैं तब सोने की कीमत में बड़ी गिरावट हो सकती है। ऐसा होने पर निवेशकों को भारी नुकसान उठना पड़ सकता है। हाल ही में सोने के दाम बढ़ने के कई कारण हैं, जिसमें वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव शामिल हैं। इन कारणों से सोने को एक सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। इस वजह से दुनियाभर के निवेशक पीली धातु में जमकर पैसा लगा रहे थे क्योंकि रुस-यूक्रेन जंग के बाद से दुनिया में जारी जंग और तनाव के मौहाल में सोना सबसे सुरक्षित निवेश बना हुआ है। वहीं बाजार जानकारों के अनुसार, अमेरिका द्वारा भारतीय सोने पर लगाए गए 50 प्रतिशत आयात शुल्क ने भी कीमतों को बढ़ाने में भूमिका निभाई है। बाजार जानकार का कहना है कि अब सोने की दिशा पूरी तरह से फेड की बैठक के नतीजों पर निर्भर करेगी अगर फेड ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करता, तब सोने की चाल स्थिर रह सकती है। अगर फेड दरों में कटौती करता है, तब सोने की कीमतें और बढ़ सकती हैं।

बीमा सेक्टर में 100 फीसदी एफडीआई का प्रस्ताव शीतकालीन सत्र में हो सकता है पेश

नई दिल्ली

वित्त मंत्रीमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि बीमा सेक्टर में 100 फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने वाला बीमा संशोधन विधेयक संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पेश किया जा सकता है। संसद का शीतकालीन सत्र आमतौर पर नवंबर के आखिर में शुरू होता है। बता दें वित्त मंत्री ने इस साल के बजट भाषण में नई पीढ़ी के फाइनैंशियल सेक्टर सुधारों के तहत बीमा सेक्टर में विदेशी निवेश की सीमा को मौजूदा के 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी करने का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा कि यह बढ़ी हुई सीमा उन कंपनियों के लिए उपलब्ध होगी जो अपना पूरा प्रीमियम भारत में निवेश करती हैं। विदेशी निवेश से जुड़ी मौजूदा सुरक्षा और शर्तों की समीक्षा की जाएगी और उन्हें सरल बनाया जाएगा।अब तक बीमा सेक्टर ने एफडीआई के जरिए 82,000 करोड़ रुपए आकर्षित किए हैं। वित्त मंत्रालय ने बीमा अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव रखा है, जिसमें बीमा सेक्टर में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को बढ़ाकर 100 फीसदी करना, चुकता पूंजी में कमी और एक समग्र लाइसेंस का प्रावधान शामिल है। एक व्यापक विधायी प्रक्रिया के तहत, जीवन बीमा निगम और बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण में बीमा अधिनियम-1938 के साथ-साथ संशोधन किया जाएगा। एलआईसी अधिनियम में संशोधनों का प्रस्ताव है कि इसके बोर्ड को शाखा विस्तार और भर्ती जैसे परिचालन संबंधी निर्णय लेने का अधिकार दिया जाए।प्रस्तावित संशोधन मुख्य रूप से पॉलिसीधारकों के हितों को बढ़ावा देने, उनकी वित्तीय सुरक्षा बढ़ाने और बीमा बाजार में ज्यादा कंपनियों के प्रवेश को सुगम बनाने पर केंद्रित हैं, जिससे आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। ऐसे बदलाव बीमा उद्योग की दक्षता बढ़ाने, कारोबार सुगमता और 2047 तक सभी के लिए बीमा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बीमा की पहुंच बढ़ाने में मदद करेंगे। 1938 का बीमा अधिनियम भारत में बीमा के लिए विधायी ढांचा प्रदान करने वाला प्रमुख अधिनियम है। यह बीमा कारोबार के कामकाज के लिए रूपरेखा प्रदान करता है और बीमाकर्ता, उसके पॉलिसीधारकों, शेयरधारकों और नियामक इरडा के बीच संबंधों को नियंत्रित करता है।

नया प्रस्ताव: दो दशक तक डेटा सेंटर डेवलपर्स को मिलेगी कर में छूट

नई दिल्ली

सरकारी नियम और गाइडलाइन को फॉलो करने वाले देश दुनिया के तमाम डेटा सेंटर डेवलपरों को दो दशक तक टैक्स में छूट देने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। मसौदे के अनुसार इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय नए डेटा सेंटर के निर्माण, हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग के लिए उपकरणों और डेटा सेंटर में चलने वाले बिजली के अन्य सिस्टमों जैसी पूंजीगत संपत्तियों पर लगने वाले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पर इनपुट टैक्स क्रेडिट देने का अनुरोध वित्त मंत्रालय से कर सकता है। 2025 की डेटा सेंटर नीति के मसौदे के अनुसार कम से कम 100 मेगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर चलाने वाले या भारतीय कंपनियों से उन्हें पट्टे पर लेने वाली विदेशी कंपनियों को भी स्थायी प्रतिष्ठान का दर्जा दिया जा सकता है। इसके लिए जल्द ही दिशानिर्देश तैयार होने की उम्मीद है।मसौदे में प्रस्ताव है कि राज्यों को डेटा सेंटर का बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए औद्योगिक गलियारों, आईटी हब या विनिर्माण क्लस्टरों के पास जमीन मुहैया करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस जमीन पर भी ऐसे केंद्रों के लिए खास क्षेत्र तय किए जाएंगे। नई नीति के मसौदे में यह भी कहा गया है कि आईटी मंत्रालय को बिजली मंत्रालय, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, सेंट्रल ट्रांसमिशन यूटिलिटी ऑफ इंडिया तथा अन्य प्रमुख सरकारी संस्थाओं के साथ तालमेल बिठाकर डेटा सेंटरों के लिए बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। उक्त अधिकारी ने कहा, बिजली की उपलब्धता डेटा सेंटरों की प्रमुख मांगों में है।

हमारे लिए जरूरी है कि नए डेटा सेंटरों को अक्षय ऊर्जा का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। हमने नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग और भंडारण के लिए समान दिशा निर्देश जैसे कुछ बदलाव प्रस्तावित किए हैं तथा डेटा सेंटर पार्कों के पास छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों को प्रोत्साहन देने का भी विचार है।

नई नीति में कहा गया है कि इसका लाभ लेने की पात्र कंपनियों को उसी शहर में या किसी नई जगह नया आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) डेवलपमेंट या मॉडलिंग सेंटर या ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) स्थापित करने का हौसला मिल सकता है। नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर एक अधिकारी ने कहा, इससे महानगरों में ही नहीं बल्कि छोटे-मझोले शहरों और कस्बों में भी एआई तथा मशीन लर्निंग, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा जैसी उन्नत प्रौद्योगिकी में नया रोजगार आएगा।

एनपीसीआई ने पी2एम लेन-देन करने यूपीआई सीमा 10 लाख रुपए प्रतिदिन की

मुंबई

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) भुगतानों के लिए यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपए प्रतिदिन कर दिया है। यह नई सीमा सोमवार से लागू हो गई है। इस कदम का उद्देश्य प्रमुख क्षेत्रों में बड़े भुगतानों को सुगम बनाना और उच्च-मूल्य वाले क्षेत्रों में डिजिटल अपनाने को बढ़ावा देना है। हालांकि एनपीसीआई ने पर्सन-टू-पर्सन (पी2पी) सीमा को एक लाख रुपए प्रतिदिन पर बनाए रखा है।इससे पहले बड़े लेनदेन करने वाले यूजर्स को लिमिट का सामना करना पड़ता था, जिससे उन्हें भुगतान टुकड़ों में या चेक और बैंक ट्रांसफर जैसे पारंपरिक तरीकों पर लौटने के लिए मजबूर होना पड़ता था। नए फ्रेमवर्क के तहत कैपिटल मार्केट और इंश्योरेंस पेमेंट के लिए प्रति लेनदेन सीमा दो लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख रुपए कर दी है, जबकि दैनिक सीमा 10 लाख रुपए है। सरकारी ई-मार्केटप्लेस लेनदेन की सीमा एक लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख रुपए प्रति लेनदेन कर दी गई है। यात्रा बुकिंग, ऋण चुकाना और ईएमआई संग्रह के लिए प्रति लेनदेन सीमा भी एक लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपए कर दी गई है।क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान के लिए भी एक ही लेनदेन में पांच लाख रुपए तक की अनुमति है, हालांकि 24 घंटे की सीमा 6 लाख रुपए तय की गई है। ऋण और ईएमआई के लिए यूजर्स अब प्रति लेनदेन पांच लाख रुपए का भुगतान कर सकते हैं ।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एशिया कप 2025: बंगलादेश के खिलाफ सुपर चार में जगह पक्की करने उतरेगा अफगानिस्तान

अबू धाबी (एजेंसी)। एशिया कप में बंगलादेश की टीम को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए मंगलवार को होने वाले अफगानिस्तान के खिलाफ मैच को हर-हाल में जीतना होगा। वहीं अफगानिस्तान सुपर चार में जगह पक्की करने मैदान में उतरेगा। बंगलादेश के खिलाफ अफगानिस्तान का पलड़ा भारी रहा है। अब तक दोनों टीमों के बीच 12 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं।

इस दौरान पांच में बांग्लादेश को जीत मिली है। सात मुकाबले अफगानिस्तान ने जीते हैं। दोनों टीमों के बीच खेले गए आखिरी पांच मैचों की बात की जाये तो अफगानिस्तान ने तीन मैच जीते हैं और बंगलादेश को दो में सफलता मिली है। बंगलादेश को एशिया कप के अपने पिछले मैच में श्रीलंका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। उसे हार की निराशा से बाहर निकलकर जायेद क्रिकेट स्टेडियम में कल अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में जीत के लिए पूरी ताकत झोकनी होगी।

बल्लेबाजी की बात की जाये तो टूर्नामेंट में बंगलादेश का शीर्ष क्रम बिल्कुल भी नहीं चल पा रहा है। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने मिलकर दो मैचों में केवल 33 रन जोड़े हैं। कप्तान लिटन दास एक बेहतरीन खिलाड़ी है उन्हें स्वयं को पूरी तरह से झोंककर लय बनाते हुए थोड़ा साहस दिखाना होगा और जरूरत पड़ने पर लंबी पारी खेलनी होगी। तौहीद हृदय और मेहदी हसन को उनका साथ देना होगा तथा जैकर अली और शमीम हुसैन जैसे बल्लेबाजों को निचले क्रम में मजबूती से बल्लेबाजी करनी होगी।

दूसरी ओर, अफगानिस्तान कहीं अधिक आत्मविश्वास से भरी टीम दिख रही है। राशिद खान की टीम ने अपने पिछले मैच में हांगकांग को 94 रनों से हराया था और वे इन परिस्थितियों में लगातार जीत रहे हैं। उन्होंने अपने पिछले आठ मैचों में से छह जीते हैं और ऐसा लगता है कि वह खाड़ी में खेलने में मजा ले रहे हैं। हांगकांग के खिलाफ सिदिकुल्लाह अटल की 73 रनों की पारी ने उनकी बल्लेबाजी में मजबूती दिखाई, जबकि अजमतुल्लाह उमरजई और मोहम्मद नबी मध्यक्रम में जरूरत पड़ने पर अपनी लय बदल सकते हैं।

राशिद और करीम जनत को इसमें शामिल कर लें, तो उनके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो बंगलादेश के गेंदबाजों की लेंथ बिगाड़ सकते हैं। वहीं अगर गेंदबाजी की बात की जाये तो अफगानिस्तान के पास विविधता और आत्मविश्वास है। फजलहक फारूकी और ओमरजई नई गेंद से अहम ओवरों में योगदान दे सकते हैं और राशिद की स्पिन बेहतर रही है। अगर नूर अहमद या एएम गजनफर सही गेंदबाजी करते हैं, तो वे बीच के ओवरों में विपक्षी टीम को धूल चटा सकते हैं। बंगलादेश को अफगानिस्तान को हराने के लिए बल्ले से अनुशासन और गेंद से सटीकता की जरूरत होगी, क्योंकि अफगानिस्तान के पास लय और स्थिरता है।

राशिद खान की टीम जानती है कि अगर वे संयम बनाये रखते है तो इस जीत के साथ उनका सुपर 4 में स्थान पक्का हो जाएगा। इस बीच, बंगलादेश को अपनी गेंदबाजी की धार फिर से तलाशनी होगी। मुस्तफिजुर रहमान और शोरफुल इस्लाम अपनी लय में आकर खतरनाक साबित हो सकते हैं, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ वे नाकाम रहे। मेहदी हसन और रिशाद हुसैन को अफगानिस्तान के आक्रामक बल्लेबाजों के खिलाफ संयम बनाए रखना होगा।

संभावित प्लेइंग 11

बंगलादेश -लिटन दास (कप्तान और विकेटकीपर), परवेज हुसैन इमोन, तंजीद हसन तमीम, तौहीद हृदोय, जेकर अली, शमीम हुसैन, मेहदी हसन, रिशाद हुसैन, तंजीम हसन साकिब, शोरफुल इस्लाम और मुस्तफिजुर रहमान

अफगानिस्तान - राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, इब्राहिम जादरान, गुलबदीन नाइब, अजमतुल्लाह ओमरजई, मोहम्मद नबी, करीम जनत, नूर अहमद, एएम गजनफर और फजलहक फारूकी।

योगेश कथुनिया विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना विश्व रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत पहली बार विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी की तैयारी कर रहा है, ऐसे में पैरालंपिक में पुरुषों की डिस्कस थ्रो F56 स्पर्धा में रजत पदक विजेता योगेश कथुनिया पहले से कहीं अधिक दृढ़ हैं। वह 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इस महामुकाबले में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करेंगे। चैंपियनशिप का यह संस्करण ऐतिहासिक है, न केवल इसलिए कि यह पहली बार भारत और दक्षिण एशिया में इस तरह का कोई वैश्विक पैरा एथलेटिक्स आयोजन हो रहा है, बल्कि इसलिए भी कि यह योगेश को घरेलू मैदान पर खेलने का लाभ और अपने ही लोगों के सामने अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने का मौका देता है।

योगेश के लिए, यह कोई साधारण प्रतियोगिता नहीं है। उनका पूरा परिवार वहां मौजूद होगा, उनका उत्साहवर्धन करेगा, हर टॉस और हर सांस का साक्षी होगा। स्टैंड में प्रियजनों का होना भावनात्मक समर्थन से कहीं अधिक मायने रखता है, यह वह उत्साह है जो दबाव को शक्ति में बदल देता है। भारतीय पैरालंपिक समिति (PCI) की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, योगेश ने कहा, 'घरेलू धरती पर विश्व चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करना जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव है। यह जानना कि मेरा परिवार स्टैंड में होगा, मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए अतिरिक्त प्रेरणा देता है।'

टोक्यो 2020 पैरालिंपिक में F56 डिस्कस थ्रो स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले योगेश इस चैंपियनशिप में एक स्पष्ट लक्ष्य के साथ उतर रहे हैं और वह है अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ना। वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं, अपनी तकनीक को निखार रहे हैं, अपने थ्रो को और बेहतर बना रहे हैं और इस घरेलू प्रतियोगिता में, वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा लक्ष्य दिल्ली में अपना विश्व रिकॉर्ड तोड़ना है। मैं ब्राज़ील के मजबूत थ्रोअर बतिस्ता डॉस सैंटोस के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक हूँ, यह एक बड़ी चुनौती है।'

पाक के खिलाफ पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बने पांड्या

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने यहां एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। हार्दिक ने मुकाबले की पहली ही गेंद पर पाक बल्लेबाज को आउट कर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की।

हार्दिक ने सैम अयूब को आउट कर इतिहास रच दिया क्योंकि यह पहली बार था जब किसी भारतीय गेंदबाज ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया। पांड्या अब टी20 में पाक के खिलाफ मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बने हैं। इससे पहले श्रीलंका के नुवान कुलशेखरा ने साल 2009 में श्रीलंका के लिए यह रिकार्ड बनायास था। इसके अलावा जॉर्ज लिंडे ने साल 2021 में दक्षिण अफ्रीका की ओर से पहली ही गेंद पर विकेट लिया था। पाकिस्तान के खिलाफ 91 रन और 13 विकेट के साथ हार्दिक पांड्या पहले ही टी20 में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं।

बुमराह टी20 में चौथे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, भुवनेश्वर को पीछे छोड़ा

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने यहां पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मुकाबले में दो विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इसी के साथ ही ¬बुमराह ने टी20आई क्रिकेट में भुवनेश्वर कुमार का सबसे अधिक विकेट लेने का रिकार्ड तोड़ दिया। बुमराह ने 4 ओवर में 28 रन देकर दो विकेट लिए। इसी के साथ ही अब बुमराह के 72 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 17.67 की औसत और 6.29 की शानदार इकॉनमी रेट के साथ ही 92 विकेट हो गये हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सात रन देकर तीन विकेट है। इसी के साथ ही उन्होंने भुवनेश्वर के

87 मैचों में 90 विकेट के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया है। बुमराह के आगे अब हार्दिक पांड्या 116 मैचों में 95 विकेट, स्पिनर युजवेंद्र चहल 80 मैचों में 96 विकेट और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 63 मैचों में 99 विकेट हैं। बुमराह के अलावा कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ 18 रन देकर तीन विकेट लेने के साथ ही स्पिनर अक्षर पटेल और रविचंद्रन अश्विन को भी पीछे छोड़ दिया। इस प्रकार कुलदीप टी20आई में भारत की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले छठे गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने 42 मैचों में 13.10 की औसत और 6.66 की इकॉनमी रेट से 76 विकेट लिए हैं, जिसमें 5/17 का सर्वश्रेष्ठ स्पेल भी शामिल है। अब पाकिस्तान के खिलाफ आठ अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 8 मैचों में 12.66 की औसत और 5/25 के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 18 विकेट लिए हैं। वहीं अक्षर ने इस मैच में दो विकेट लेकर आर अश्विन को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने 73 मैचों में 21.64 की औसत और 3/9 के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 74 विकेट लिए हैं। अक्षर ने इस मैच में अपने 200 अंतरराष्ट्रीय विकेट भी पूरे किए।

पीसीबी ने आईसीसी से मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की, एशिया कप से हटने की धमकी दी

दुबई । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एशिया कप में भारतीय टीम के खिलाफ हुए मैच के बाद मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट हो हटाने की मांग की है। पीसीबी ने कहा है कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो वह एशिया कप से हट जाएगी। पीसीबी ने मैच रैफरी पाइक्रॉफ्ट पर आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। पाक टीम को भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबले में सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में भारतीय खिलाड़ियों ने पाक टीम से हाथ नहीं मिलाया था। इस कारण पाक टीम बौखलायी है। पाक बोर्ड ने इससे उसके खिलाड़ियों का अपमान बताया है। इस मामले में पहले तो पीसीबी ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट से ही भारतीय टीम की शिकायत की। वहीं अब उसी रैफरी को हटाने की मांग अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से शिकायत कर दी है। पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि पीसीबी ने मैच रेफरी की आईसीसी आचार संहिता उल्लंघन को लेकर में शिकायत दर्ज कराई है उसका आरोप है कि रैफरी ने दोनों कप्तानों को टॉस के समय हाथ न मिलाने के लिए कहा।

पाक के खिलाफ टी20 में जीत दिलाने वाले तीसरे कप्तान बने सूर्यकुमार

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान . सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मुकाबले में जीत के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने पाक के खिलाफ पहले ही मैच में 7 विकेट से दूसरी जीत हासिल की है। इसी के साथ ही सूर्या पाकिस्तान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बन गए हैं। इस प्रकार वह रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी के एलीट क्लब में शामिल हो गये। सूर्यकुमार पाक के खिलाफ पहली बार टी20 में बतौर कप्तान उतरे थे। सूर्या से पहले दिग्गज कप्तान महेंद्र धोनी और रोहित की कप्तानी में भारत ने पाकिस्तान को हराया था।

अगस्त महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए मोहम्मद सिराज

दुबई । भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के लिए सोमवार को अगस्त महीने का आईसीसी का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। आयरलैंड की महिला खिलाड़ी ओर्ला प्रेंडरगैस्ट को भी सिराज के साथ महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारत ने यह मैच छह रन से जीत कर श्रृंखला बराबर कराई। इस भारतीय तेज गेंदबाज ने कहा, 'आईसीसी का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जाना मेरे लिए विशेष सम्मान की बात है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी एक यादगार श्रृंखला थी और यह उन सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक थी जिनका मैं हिस्सा रहा हूं।' सिराज ने कहा, 'मुझे गर्व है कि मैं कुछ महत्वपूर्ण स्पैल में योगदान दे सका, खासकर निर्णायक क्षणों में। शीर्ष बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ उनकी घरेलू परिस्थितियों में गेंदबाजी करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।'

भारतीय टीम के हाथ नहीं मिलाने से भड़का पीसीबी

-खेल भावना के खिलाफ बताया, आईसीसी से की शिकायत

हांगकांग (एजेंसी)। दुबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां हुए एशिया कप 2025 मैच में पाकिस्तान टीम को एकतरफा मुकाबले में सात विकेट से हराने के बाद उससे हाथ भी नहीं मिलाया जिससे पाक बोखलाया हुआ है। इस प्रकार भारतीय टीम ने पाक को एक कड़ा संदेश भी दिया है कि आतंकवाद सहन नहीं किया जाएगा। इस मैच के दौरान कई अवसरों पर पाक खिलाड़ियों ने हाथ मिलाने और खेल भावना दिखाने के प्रयास किये पर भारतीय टीम ने उसे अनदेखा कर दिया। इसी कारण टॉस के समय ही कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाक कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया। पूरे मैच में भारतीय खिलाड़ियों ने पाक से दूरी बनाये रखी। वहीं भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार और शिवम दुबे विजयी शॉट लगाकर पाक खिलाड़ियों को नजरअंदाज करते हुए बिना हाथ मिलाये ही सीधे सीधे ड्रेसिंग रूम की ओर बढ़ गए। इससे पाक खिलाड़ी उन्हें जीत के बाद वापस जाते हुए देखते रहे। इस मामले को पाक बोर्ड पीसीबी ने अपने खिलाड़ियों की बेइज्जती मानते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से भी शिकायत की है। पीसीबी के टीम मैनेजर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और भारतीय टीम के रवैये पर नाराजगी जतायी है। वहीं भारतीय टीम का इस प्रकार का व्यवहार स्वाभाविक था क्योंकि मैच से पहले ही टीम पाक की आतंक घटनाओं से रोष में थी पर उसने तय किया था कि पाक खिलाड़ियों से कोई हाथ नहीं मिलाएगा। यह कदम पहलगाम

आतंकी हमले में शहीदों को श्रद्धांजलि और पाकिस्तान को करारा जवाब देने के तौर पर लिया गया। मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार ने पत्रकार वार्ता में ये जीत ÷पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों÷ को समर्पित की और सशस्त्र बलों के ऑपरेशन सिंदूर के लिए आभार जताया। वहीं पाक के पूर्व क्रिकेटरों ने इस मामले में नाराजगी जतायी है। उसके पूर्व क्रिकेटरों बासित अली, कामरान अकमल और राशिद लतीफ ने भारतीय टीम के इस कदम को ÷क्रिकेट भावना के खिलाफ÷ बताया है। राशिद लतीफ ने कहा कि आईसीसी को ये मामला क्यों नहीं दिख रहा है। वहीं भारत में सभी ने टीम के इस रवैये को सही करार देते हुए कहा कि क्रिकेट खेलना अलग बात है पर आतंक घटनाओं में शामिल देश के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया जा सकता है।

सूर्यकुमार ने पहलगाम हमले के पीड़ितों और सेना को समर्पित की जीत

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मिली जीत को सेना और पहलगाम हमले के पीड़ितों को समर्पित करते हुए कहा है कि हम पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं। इस मैच में भारतीय टीम के सामने पाकिस्तान टीम टिक नहीं पायी और उसे एकतरफा मुकाबले में करारी हार का सामना करना पड़ा। भारतीय स्पिनरों कुलदीप यादव ,अक्षर पटेल और वरूण चक्रवर्ती के सामने पाक के बल्लेबाज बेबस नजर आये और पूरी टीम नौ विकेट पर 127 रन ही बना पायी। वहीं इसके बाद भारतीय टीम ने 15.5 ओवर में ही जीत दर्ज कर ली। सूर्यकुमार ने छक्का लगाकर भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। अभिषेक शर्मा ने पाक टीम के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को जमकर पीटा और 12 गेंद में ही 31 रन बनाये। वहीं कप्तान सूर्यकुमार ने 37 गेंद में नाबाद 47 रन बनाये। सूर्यकुमार ने कहा, '' यह जीत सुखद अहसास है। मैं हमेशा कोशिश करता हूं कि अंत तक क्रीज पर बना रहूं और आज मैच समाप्त कर खुश हूं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ खेलना भी किसी अन्य प्रतिद्वंद्वी की तरह ही है। अंत में सूर्यकुमार ने कहा, ''हम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़े हैं। हम अपनी एकजुटता व्यक्त करते हैं और हम आज की जीत को पीड़ितों और सशस्त्र बलों को समर्पित करना चाहते हैं।

भारतीय टेनिस की मदद के लिए सिर्फ पद पर काबिज होना ही एकमात्र रास्ता नहीं है: सानिया

दुबई (एजेंसी)। राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के अनुसार देश के प्रत्येक खेल महासंघ की 15 सदस्यीय कार्यकारी समिति में चार महिलाओं का होना अनिवार्य है लेकिन दिग्गज खिलाड़ी सानिया मिर्जा का मानना ??है कि युवा प्रतिभाओं को तराशने में उनकी भूमिका अखिल भारतीय टेनिस संघ (ढ्ढञ्ज) में एक पद से कहीं अधिक है। खेलों में भारतीय महिलाओं के लिए पथ प्रदर्शक रहीं सानिया ने अपने दुबई स्थित आवास से पीटीआई से कई मुद्दों पर बात की जिनमें टेनिस में वेतन समानता से लेकर स्विट्जरलैंड के खिलाफ भारत की डेविस कप जीत शामिल रहीं जबकि उन्होंने 16 साल की माया राजेश्वरन रेवती की विशेष प्रतिभा पर भी बात की है।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह निकट भविष्य में खेल प्रशासन में दिखाई दे सकती हैं तो सानिया ने इसमें ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मदद करने के लिए उस शक्तिशाली पद पर होना ही एकमात्र तरीका है। ईमानदारी से कहूं तो मेरा यही जवाब है। अगर मुझे मौका मिले तो क्या मैं कर पाऊंगी, तो क्या मैं उस पद पर रहकर और योगदान दे पाऊंगी तो मैं ऐसा करना पसंद करूंगी। लेकिन क्या मैं इसका लक्ष्य बना रही हूं तो मेरा जवाब है, नहीं। क्योंकि यह मेरा लक्ष्य नहीं है।'

सानिया के लिए भारतीय टेनिस की अगली पीढ़ी के स्तर को बढ़ाने में मदद करने के लिए कोई पद पर बैठना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा, ''मेरा लक्ष्य युवा पीढ़ी के ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों और विशेषकर युवा लड़कियों की मदद करना है क्योंकि मुझे लगता है कि उनके पास ज्यादा आदर्श नहीं हैं जिनसे वे प्रेरणा ले सकें।' सानिया ने कहा, 'मैं अपने अनुभव साझा करना चाहती हूं। और अगर मुझे इसके लिए किसी तंत्र में शामिल होने का मौका मिलता है और इससे मुझे सिर्फ फोन पर बात करने या कोर्ट पर उनकी मदद करने या किसी भी तरह की अन्य चीज से ज्यादा मौके मिलते है तो मुझे ऐसा करने में खुशी होगी।' उन्होंने कहा, 'लेकिन मेरा फोकस इस पर नहीं है। यह मेरा लक्ष्य नहीं है।'

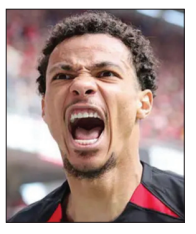

सानिया के बाद भारत में महिला टेनिस में कौन उभरती हुई प्रतिभा है , यह पूछने पर उन्होंने माया राजेश्वरन रेवती का नाम लिया । माया स्पेन में राफेल नडाल अकादमी में ट्रेनिंग लेती हैं। सानिया ने कहा, 'माया में काफी प्रतिभा है। मेरे बाद कौन आएगा, यह ऐसा सवाल है जिससे हम शायद पिछले 25 साल से जूझ रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'तो एक 15-16 साल की युवा खिलाड़ी को आगे बढ़ते हुए देखना और अपने आयु वर्ग के ऊपर वर्गों में भी अपनी पकड़ बनाए रखते हुए देखना अच्छा लगता है।'

एकल में पूर्व 27वें नंबर की खिलाड़ी सानिया ने स्विट्जरलैंड के खिलाफ डेविस कप मुकाबला जीतने के लिए भारतीय पुरुष टीम की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'डेविस कप टीम तारीफ की हकदार है जिसने यूरोप में शायद 31 या 32 साल बाद स्विट्जरलैंड को हराकर एक यूरोपीय टीम के खिलाफ पहली बार जीत हासिल की है। सुमित नागल ने अच्छा नेतृत्व किया और पिछले डेढ़ साल में एक तरह से शानदार वापसी की है।'

नागल के बारे में बात करते हुए सानिया ने कहा कि भारत का शीर्ष एकल खिलाड़ी अभी 28 साल का है। उन्होंने कहा, 'लेकिन यह खिलाड़ी अब उतना युवा नहीं है। ये खिलाड़ी

28, 29, 30 साल के हैं। और टेनिस के लिहाज से ये इतने युवा नहीं हैं। यही सच है। लेकिन सुमित ने पिछले कुछ सालों से अकेले ही अविश्वसनीय काम किया है और डेविस कप में भी जीत हासिल की है।'

जहां तक युवा दक्षिणेश्वर सुरेश की बात है तो सानिया अभी थोड़ा और इंतजार करना चाहती हैं। ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिताओं में पुरुषों और महिलाओं के लिए पुरस्कार राशि समान होती है लेकिन सानिया आने वाले दिनों में अन्य टूर्नामेंट के वेतन में और समानता देखना चाहती हैं। उन्होंने कहा, 'महिला और पुरुष टेनिस खिलाड़ी बराबर पैसा कमाते हैं, असल में यह एक मिथक है। हां, ग्रैंडस्लैम में दोनों बराबर पैसा कमाते हैं। लेकिन इसके अलावा शायद एक-दो टूर्नामेंट में ही ऐसा होता है। लेकिन ज्यादा टूर्नामेंट में ऐसा नहीं है।' सानिया ने कहा, 'मुझे लगता है कि आज के जमाने में बराबर इनामी राशि होना चर्चा का विषय भी नहीं होना चाहिए क्योंकि इसमें जो मेहनत लगती है, जो खर्च होता है, वह महिला और पुरुष दोनों के लिए एक जैसा है।'

अब लिवरपूल की ओर से खेलेंगे फॉरवर्ड ह्यूगो

लंदन । फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके अब फुटबॉल क्लब लिवरपूल की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे। प्रीमियर लीग विजेता लीवरपूल ने आइंट्राख्ट फ्रैंकफर्ट के स्ट्राइकर एकिटिके से करार किया है। यह सौदा करीब 79 मिलियन पाउंड में हुआ। लिवरपूल ने इस फैसले की घोषणा सोशल मीडिया पर की और कहा कि उसने फ्रैंकफर्ट के फॉरवर्ड एकिटिके के ट्रांसफर के लिए एक करार किया है। क्लब ने कहा कि एकिटिके मेडिकल टेस्ट में पास हो गये हैं और लिवरपूल के साथ व्यक्तिगत शर्तों पर भी वह तैयार हैं। अब वह इस सप्ताह के अंत में एशिया के प्री-सीजन दौरे पर हांगकांग जा सकेंगे। लिवरपूल के नए मैनेजर आर्ने स्लॉट के अनुसार ये चौथा बड़ा ट्रांसफर है। इससे पहले क्लब ने फ्लोरियन विट्र्ज को करीब 110 मिलियन पाउंड में खरीदा था। उनके अलावा डिफेंडर मिलोस केरकेज और जरेमी फ्रिमपोंग से भी करार किया। फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके, किसी भी पोजीशन पर खेल सकते हैं। उन्होंने पिछले सीजन में 48 मैचों में 22 गोल किए और एक दर्जन से अधिक गोलों में सहायोग दिया। लिवरपूल ने इस ट्रांसफर विंडो में अब तक 250 मिलियन पाउंड से ज्यादा खर्च कर दिए हैं। वहीं डार्विन नुनेज के भी क्लब छोड़ने की संभावना है। इसके अलावा फेडेरिको कियेसा को टीम के एशिया टूर के प्री-सीजन स्क्वाड में शामिल नहीं किया गया, जिससे यह संकेत मिलता है कि वह भी क्लब से बाहर जा सकते हैं। कुछ दिन पहले लिवरपूल ने यह ऐलान किया कि उन्होंने कई मजबूत दावेदारों को पीछे छोड़ते हुए एकिटिके के ट्रांसफर पर समझौता कर लिया है। सोमवार को क्लब की ओर से जारी बयान में कहा गया, रेड्स और जर्मन टीम ने एक ट्रांसफर डील की, जिसकी कीमत 6.9 करोड़ पाउंड और 1 करोड़ पाउंड अतिरिक्त होने की बात कही जा रही है। 23 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी एकिटिके मेडिकल जांच कराने और मैनेजर आर्ने स्लॉट की टीम के साथ लंबे समय के कॉन्ट्रैक्ट को अंतिम रूप देने के लिए मर्सीसाइड पहुंच गए। वहीं इससे पहले शनिवार को फ्रैंकफर्ट के प्री-सीजन मैत्री मैच में एकिटिके बेंच पर रहे और मैदान में नहीं उतरे, क्योंकि उनके भविष्य को लेकर बातचीत जारी थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आधे टमाटर और मुल्तानी मिट्टी से पाए

दमकती त्वचा

सिर्फ 15 मिनट में दिखेगा असर!

आजकल चमकदार और बेदाग त्वचा पाने के लिए लोग महंगे-महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स पर हजारों रुपये खर्च कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यही काम आप घर में पड़ी सिर्फ दो चीजों की मदद से कर सकते हैं टमाटर और मुल्तानी मिट्टी।कंटेंट क्रिएटर रिया ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि कैसे आप आधे टमाटर और मुल्तानी मिट्टी के आसान घरेलू नुस्खे से अपनी त्वचा को निखार सकते हैं और वो भी सिर्फ 15 मिनट में।

महंगी क्रीम नहीं, काम आएगा किचन

जब भी स्किन केयर की बात आती है तो हमारे दिमाग में लंबे रूटीन और मंहगे प्रोडक्ट्स की लिस्ट दौड़ने लगती है। लेकिन हर किसी के पास ना तो इतना समय होता है और ना ही बजट। खासकर मिडिल क्लास लोग सोचते हैं कि स्किन केयर छोड़ फल-सब्जी खा लें, वही अच्छा है। ऐसे में यह घरेलू नुस्खा उनके लिए एकदम परफेक्ट है, सस्ता, असरदार और नेचुरल।

क्या चाहिए? सिर्फ ये दो चीजें

आधा टमाटर, मुल्तानी मिट्टी पाउडर इन दोनों को मिलाकर बस 15 मिनट में आप पा सकते हैं चमकती हुई, साफ-सुथरी त्वचा।

कैसे करें इस्तेमाल? आसान तरीका जानिए

फ्रिज से एक पका हुआ टमाटर निकालिए और उसे बीच से काट लीजिए। अब आधे टमाटर के कटे हुए हिस्से पर थोड़ा सा मुल्तानी मिट्टी पाउडर डालें। इस टमाटर को अपने साफ चेहरे पर हल्के हाथों से रगड़ें। रगड़ते समय टमाटर को हल्का-हल्का दबाते रहें, जिससे उसका रस और मुल्तानी मिट्टी मिलकर स्किन के अंदर तक जा सके। 10-15 मिनट बाद चेहरा साधारण पानी से धो लें।

टमाटर के फायदे

टमाटर में होता है लाइकोपीन, विटामिन ष्ट और एंटीऑक्सीडेंट
त्वचा की रंगत सुधारता है
दाग-धब्बों को हल्का करता है
स्किन को बनाता है ग्लोइंग और फ्रेश

मुल्तानी मिट्टी के फायदे

स्किन से अधिक तेल को सोखती है। मुंहासों और ब्लैकहेड्स को कम करती है। त्वचा को बनाती है सॉफ्ट और क्लीन। पिगमेंटेशन और टैनिंग में भी फायदेमंद।

क्यों अपनाएं ये नुस्खा?

100प्रतिशत नेचुरल - कोई केमिकल नहीं। साइड इफेक्ट का खतरा नहीं। सस्ता और घर में ही उपलब्ध। त्वचा को लंबे समय तक चमकदार बनाता है।

यह नुस्खा इंस्टाग्राम कंटेंट क्रिएटर रिया द्वारा साझा किया गया है। हालांकि ये घरेलू उपाय काफी असरदार होते हैं, लेकिन अगर आपकी स्किन बहुत सेंसिटिव है या आपको पहले से कोई स्किन प्रॉब्लम है, तो इसे इस्तेमाल करने से पहले एक बार एक्सपर्ट से सलाह जरूर लें।

फटी एड़ियों से परेशान? आयुर्वेदिक उपाय से 7 दिन में पाएं मुलायम सुपरसॉफ्ट हील्स!

आजकल के लाइफस्टाइल और मौसम के कारण कई लोग एड़ियों में फटी दरारों से परेशान रहते हैं। खासकर सर्दी और ठंडी हवाओं के चलते एड़ियां रुखी, बेजान और फटी हुई दिखने लगती हैं। जब ये दरारें गहरी हो जाती हैं, तो दर्द और संक्रमण का खतरा भी बढ़ सकता है। अगर आप भी फटी एड़ियों से परेशान हैं और इस समस्या का हल तलाश रहे हैं, तो आयुर्वेदिक उपाय आपके लिए बहुत मददगार हो सकते हैं। इन प्राकृतिक नुस्खों से आप महज सात दिनों में अपनी एड़ियों को मुलायम और सुंदर बना सकते हैं। आइए, जानते हैं कुछ आयुर्वेदिक उपायों के बारे में जो आपकी फटी एड़ियों को ठीक करने में मदद करेंगे

घी और सरसों के तेल का मिश्रण

फटी एड़ियों को ठीक करने का सबसे पुराना और प्रभावी उपाय है घी और सरसों के तेल का मिश्रण। घी में प्राकृत चिकनाई होती है जो एड़ियों की दरारों को भरने और नमी प्रदान करने का काम करता है, वहीं सरसों का तेल रक्त संचार को बेहतर बनाता है। इस मिश्रण को रोज रात को सोने से पहले एड़ियों पर अच्छे से लगाएं और पैरों को मोजे से ढक लें। इससे आपकी एड़ियां न सिर्फ मुलायम होंगी, बल्कि दरारें भी जल्दी ठीक होंगी।

नीम और हल्दी का पेस्ट

नीम के पत्ते और हल्दी दोनों ही एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होते हैं, जो फटी एड़ियों के संक्रमण और जलन को दूर करने में मदद करते हैं। नीम के पत्तों को पीसकर उसमें थोड़ा हल्दी मिला लें और इस पेस्ट को एड़ियों पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद गुनगुने पानी से पैर धो लें। यह उपाय सप्ताह में तीन से चार बार करें, इससे न केवल फटी एड़ियां ठीक होंगी, बल्कि एड़ियों से जुड़ी अन्य समस्याएं भी दूर होंगी।

एलोवेरा और गुलाब जल

एलोवेरा को प्राकृतिक त्वचा उपचार के रूप में जाना जाता है, और गुलाब जल त्वचा को शांति और नमी प्रदान करता है। दोनों का संयोजन फटी एड़ियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। एक ताजा एलोवेरा पत्ता लें, उसका जेल निकालकर उसमें थोड़ी मात्रा में गुलाब जल मिलाएं और इसे अपनी एड़ियों पर लगाकर 30 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें। यह उपाय एड़ियों की दरारों को भरने के साथ ही स्किन को रिपेयर भी करता है।

बादाम का तेल और शहद

बादाम का तेल विटामिन श्च से भरपूर होता है जो त्वचा की सूजन और रुखापन को दूर करता है। शहद का उपयोग एक प्राकृतिक मॉइश्चराइज़र के रूप में किया जाता है। दोनों का मिश्रण फटी एड़ियों को ठीक करने में मदद करता है। इस मिश्रण को रात को सोने से पहले एड़ियों पर लगाकर मोजे पहन लें। सुबह उठकर एड़ियां धोने के बाद आपको मुलायम और क्लीयर एड़ियां महसूस होंगी।

तिल का तेल और नमक

तिल का तेल त्वचा को नमी प्रदान करता है और नमक एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है जो सूजन और दर्द को कम करता है। तिल के तेल में थोड़ा सा नमक डालकर उसे एड़ियों पर मालिश करें और फिर पैरों को गुनगुने पानी से धो लें। यह न केवल एड़ियों को मुलायम बनाता है, बल्कि रक्त संचार को भी सुधारता है और दर्द को कम करता है।

पानी में बेकिंग सोडा का प्रयोग

फटी एड़ियों के लिए बेकिंग सोडा भी एक प्रभावी उपाय हो सकता है। बेकिंग सोडा की अल्कलाइन?? त्वचा को नर्म करती है और मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करती है। एक बाल्टी पानी में दो चम्मच बेकिंग सोडा डालकर पैरों को 15-20 मिनट तक इसमें भिगोकर रखें। इसके बाद सूती कपड़े से एड़ियों को रगड़ें। यह उपाय फटी एड़ियों के लिए एक शानदार प्राकृतिक स्क्रब का काम करता है।

पैरों की सही देखभाल और हाइड्रेशन

आखिरी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण टिप है, अपनी एड़ियों की नियमित देखभाल। दिन में कम से कम दो बार अपनी एड़ियों को अच्छे से धोएं और सूखा लें। फिर एक अच्छा मॉइश्चराइजर या तेल लगाकर पैरों को नमी प्रदान करें। हाइड्रेशन शरीर के हर अंग के लिए जरूरी है, और पैरों को भी सूखा होने से बचाए रखने के लिए पानी की सही मात्रा पिएं।

अगर आपकी एड़ियां फटी हुई हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। इन आयुर्वेदिक उपायों को अपनाकर आप जल्दी ही राहत महसूस करेंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन उपायों में कोई भी हानिकारक रसायन नहीं होते, इसलिए ये पूरी तरह से सुरक्षित हैं। 7 दिनों के अंदर ही आप देखेंगे कि आपकी एड़ियां न केवल मुलायम और कोमल हो गई हैं, बल्कि फटी हुई दरारें भी भर चुकी हैं। नियमित देखभाल से आप अपनी एड़ियों को सुंदर और स्वस्थ रख सकते हैं।

ग्लॉसी लिपस्टिक

को बनाएं मैट - वो भी बिना खर्च किए! ये आसान स्टेप्स

अगर आपके पास ग्लॉसी लिपस्टिक भरी पड़ी हैं लेकिन आप मैट लुक चाहती हैं, तो अब न तो पैसे खर्च करने की जरूरत है और न ही महंगी मैट लिपस्टिक खरीदने की। आज हम आपको एक सिंपल, स्मार्ट और बजट-फ्रेंडली ब्यूटी हैक बता रहे हैं जिससे आप सिर्फ 3 स्टेप्स में अपनी ग्लॉसी लिपस्टिक को मैट लुक में बदल सकती हैं। यह ट्रिक न सिर्फ आसान है, बल्कि बेहद असरदार भी है और हर मेकअप लवर के लिए परफेक्ट है। तो चलिए जानते हैं पूरा तरीका आसान भाषा में

स्टेप 1 : सबसे पहले लगाएं अपनी फेवरेट ग्लॉसी लिपस्टिक

अपनी पसंदीदा ग्लॉसी लिपस्टिक को हल्के हाथों से होंठों पर लगाएं। चाहें तो पहले लिपलाइनर लगाकर लिप्स को शेप दें, इससे लिपस्टिक ज्यादा देर टिकेगी। इस स्टेप से आपके होंठों पर एक अच्छा बेस बन जाएगा।

स्टेप 2 : टिशू पेपर से एक्स्ट्रा शाइन हटाएं

अब एक साफ टिशू पेपर लें और लिप्स पर हल्के-हल्के दबाएं। ध्यान रखें, टिशू को रगड़ें नहीं, सिर्फ धीरे-धीरे प्रेस करें। इससे लिपस्टिक का कलर बना रहेगा लेकिन ओवर शाइन हट जाएगी।

स्टेप 3 : हल्का पाउडर लगाकर फिनिशिंग दें

अब लास्ट स्टेप में अपने पास मौजूद ट्रांसलूसेंट पाउडर या कॉम्पैक्ट पाउडर लें। एक छोटा ब्रश या फिंगर से हल्के हाथों से पाउडर को होंठों पर लगाएं। बस, आपकी ग्लॉसी लिपस्टिक अब बन गई है खूबसूरत मैट लुक में।

कुछ खास टिप्स

इस हैक में कोई महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स की जरूरत नहीं, बस ग्लॉसी लिपस्टिक, टिशू और पाउडर काफी है। अगर परफेक्ट लुक चाहिए तो हल्का सा लिपलाइनर दोबारा अप्लाई कर सकती हैं। यह ट्रिक ऑफिस, कॉलेज या पार्टी - हर जगह के लिए काम आती है।

सोशल मीडिया पर भी है ट्रेंड में

आजकल कई मेकअप आर्टिस्ट और ब्यूटी ब्लॉगर भी इस ट्रिक को इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर शेयर कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा है - कम बजट में ज्यादा स्टाइल ।द्ध अब हर बार मैट लिपस्टिक खरीदने की जरूरत नहीं। इस आसान से ब्यूटी हैक से आप अपने पास रखी ग्लॉसी लिपस्टिक को बिना खर्च किए मैट बना सकती हैं - वो भी मिनटों में।

अब अनचाहे तिल नहीं बिगाड़ेंगे खूबसूरती, अपनाएं ये आसान घरेलू नुस्खे

हमारी त्वचा पर अचानक उभरने वाले अनचाहे तिल या मस्से अक्सर हमारी खूबसूरती और आत्मविश्वास पर असर डालते हैं। खासकर अगर ये चेहरे, गर्दन या हाथों जैसे दिखने वाले हिस्सों पर हों, तो कई लोग असहज महसूस करने लगते हैं। आयुर्वेद और ज्योतिष के अनुसार, तिल केवल सौंदर्य का हिस्सा ही नहीं बल्कि हमारे व्यक्तित्व और जीवन की शुभ-अशुभ घटनाओं का संकेत भी माने जाते हैं। लेकिन जब ये अनचाहे और बड़े आकार के हो जाते हैं, तो इन्हें कम करना जरूरी हो जाता है। कुछ साधारण घरेलू नुस्खों की मदद से आप तिल और मस्सों को सुरक्षित तरीके से हल्का या खत्म कर सकते हैं।

सेब का सिरका

सेब का सिरका तिल और मस्सों को हल्का करने का एक लोकप्रिय घरेलू उपाय माना जाता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक एसिडिक गुण त्वचा की ऊपरी परत पर काम करके तिल को धीरे-धीरे सुखाने और उसके रंग को हल्का करने में मदद करते हैं। इसके लिए रुई को सिरके में भिगोकर तिल पर लगभग 15-20 मिनट रखें और फिर धो लें। अगर यह प्रक्रिया रोजाना दोहराई जाए तो समय के साथ तिल का रंग फीका पड़ने लगता है और त्वचा साफ नजर आती है।

नारियल तेल

नारियल तेल को त्वचा का सबसे प्राकृतिक और सुरक्षित उपचार माना जाता है। इसमें मौजूद मॉइस्चराइजिंग तत्व त्वचा को मुलायम और पोषित रखते हैं, जबकि इसके एंटीबैक्टीरियल गुण तिल और मस्सों को धीरे-धीरे हल्का करने में मदद करते हैं। अगर रोजाना तिल वाले हिस्से पर हल्के हाथों से नारियल तेल की मालिश की जाए, तो समय के साथ तिल का रंग फीका पड़ने लगता है और त्वचा पहले से अधिक साफ और सुंदर दिखने लगती है।

प्याज और लहसुन

प्याज और लहसुन दोनों में ऐसे प्राकृतिक एंजाइम पाए जाते हैं जो त्वचा की ऊपरी परत को सुखाकर तिल और मस्सों को धीरे-धीरे खत्म करने का काम करते हैं। प्याज का रस तिल पर लगाने से उसका रंग हल्का होने लगता है, वहीं लहसुन की कली का पेस्ट बनाकर रातभर तिल पर लगाने से यह धीरे-धीरे सूखने लगता है। नियमित उपयोग से यह उपाय तिल कम करने में कारगर साबित हो सकता है।

अलसी का तेल

अलसी का तेल त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद है और जब इसे शहद के साथ मिलाकर उपयोग किया जाता है, तो इसका असर और भी बढ़ जाता है। इस मिश्रण को तिल या मस्से पर रोजाना लगाने से कुछ ही दिनों में फर्क दिखने लगता है। अलसी का तेल त्वचा को गहराई तक पोषण देता है और शहद के एंटीबैक्टीरियल गुण मस्सों को हल्का करने में मदद करते हैं। लगातार उपयोग से तिल और मस्से धीरे-धीरे सूखकर कम होने लगते हैं।

आलू

आलू में प्राकृतिक एसिड और एंजाइम पाए जाते हैं, जो त्वचा पर बने धब्बों और तिलों को सुखाकर हटाने में मदद करते हैं। तिल पर आलू की कटी हुई फांक को हल्के हाथों से रगड़ने से उसका रस त्वचा पर काम करता है और तिल धीरे-धीरे हल्का पड़ने लगता है। दिन में कई बार ऐसा करने से मस्से सूखकर गिर भी सकते हैं। यह उपाय पूरी तरह प्राकृतिक और बिना किसी साइड इफेक्ट के होता है।

शहद और हल्दी

शहद और हल्दी का संयोजन त्वचा को निखारने और तिलों को हल्का करने का एक बेहतरीन घरेलू उपाय है। शहद में मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण त्वचा को संक्रमण से बचाते हैं, जबकि हल्दी के एंटीसेप्टिक तत्व तिल को हल्का करने और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। दोनों को मिलाकर पेस्ट तैयार कर तिल पर लगाने से न केवल तिल हल्के होते हैं बल्कि त्वचा मुलायम और चमकदार भी बनती है।

सावधानियां

1. इन घरेलू उपायों का असर धीरे-धीरे दिखाई देता है, इसलिए धैर्य रखें।
2. किसी भी उपाय को अपनाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें ताकि एलर्जी न हो।
3. अगर तिल अचानक बढ़ने लगे, रंग बदलने लगे या दर्द और खून आने लगे, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।
4. तिल को कभी भी खुद काटने या नोचने की गलती न करें।

अनचाहे तिल भले ही सौंदर्य पर असर डालते हों, लेकिन प्राकृतिक और घरेलू उपायों से इन्हें बिना किसी केमिकल या महंगे इलाज के हल्का किया जा सकता है। नारियल तेल, लहसुन, आलू, प्याज, शहद और हल्दी जैसे उपाय सुरक्षित और आसान हैं। नियमित उपयोग से आपकी त्वचा न केवल साफ और सुंदर बनेगी, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईएएस पूजा खेडकर और उनकी मां पर अपहरण का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नौकरी से हटाई गई आईएएस पूजा खेडकर एक नई मुसीबत में फंस गई हैं। उन पर और उनकी मां पर एक ट्रक ड्राइवर को अगवा कर अपने घर में छिपाने का आरोप लगा है। यह मामला तब सामने आया जब ड्राइवर ने अपने मिक्सर ट्रक से एक कार को टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, इस घटना के बाद कार में सवार दो लोगों ने ड्राइवर प्रहलाद कुमार को जबरदस्ती अपनी कार में बैठकर लेकर चले गए। पुलिस ने जब कार का पता लगाया,तब वह पूजा खेडकर के पुणे स्थित चतुश्रृंगी घर में मिली। पुलिस ने वहां से अपहृत ड्राइवर को सुरक्षित बचाया।

पुलिस के मुताबिक, इस दौरान पूजा की मां मनोरमा खेडकर ने पुलिस का विरोध कर दरवाजा खोलने से मना कर दिया। उन्होंने पुलिस के काम में बाधा डालने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने मनोरमा खेडकर को पूछताछ के लिए बुलाया है। यह पहला मामला नहीं है जब उनकी मां विवादों में फंसी हैं। पिछले साल भी एक जमीन विवाद के दौरान उनका बंदूक लहराते हुए वीडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

मांझी ने बढ़ाया टेंशन कहा- 15 नहीं मिलीं तो 100 सीटों पर अकेले लड़ेंगे चुनाव

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए की सहयोगी, केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने एक बार फिर से बड़ा बयान दिया है। उन्होने कहा कि अगर उन्हें 15 सीटें नहीं मिली तो अकेले ही उनकी पार्टी 100 सीटों पर चुनाव लड़ जाएगी। बिहार की हर विधानसभा सीट पर हमारी पार्टी (हम) के 10 से 15 हजार वोटर हैं। ऐसे में हम लोगों को 15 सीटें मिलें। बता दें एनडीए में बीजेपी, जेडीयू, चिराग पासवान की लोजपा-आर, जीतनराम मांझी की हम और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी आरएलएम शामिल है। मांझी ने कहा कि इस बार उनकी पार्टी का लक्ष्य हर हाल में मान्यता प्राप्त दल बनना है। इसके लिए पार्टी की कम से कम आठ सीटों पर जीत हासिल हो और कुल मतों का 6 फीसदी वोट मिले। ये तभी संभव है, जब हमें 15 सीटें दी जाएं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पार्टी को बने दस साल हो गए हैं और अब तक निबंधित पार्टी बने रहना उनके लिए अपमानजनक है। ये बातें जीतन मांझी ने बोधगया में मीडिया से बातचीत के दौरान कही। जीतन राम मांझी की इस बड़ी डिमांड के बाद एनडीए के अहम सहयोगी बीजेपी और जेडीयू पर प्रेशर बन गया है। सीट बंटवारे से पहले ही मांझी ने अपने इरादे जाहिर कर दिए हैं। इससे पहले उन्होने दावा करते हुए कहा था कि उनकी पार्टी को 20 से 40 सीटें मिलनी चाहिए। और अब 15 सीट पर अड़े है।

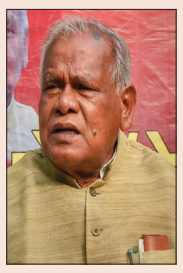

अवैध ऑनलाइन बेटिंग मामले में उर्वशी और मिमी से ईडी की पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। अवैध ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला और टीएमसी की पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती को ईडी ने समन भेजा है। ईडी ने मिमी चक्रवर्ती को दिल्ली मुख्यालय में पेश होने का आदेश दिया। दोनों से एजेंसी उनके वित्तीय लेन-देन और बैंक खातों से जुड़े पहलुओं पर पूछताछ करेगी। ईडी यह जानना चाहती है कि उन्हें इस सट्टेबाजी ऐप के प्रचार के बदले भुगतान कहां से और किस माध्यम से मिला। इससे पहले भी कई हाई-प्रोफाइल हस्तियों से पूछताछ हो चुकी है। जून 2025 में ईडी ने पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, युवराज सिंह, सुरेश रैना, अभिनेता सोनू सूद और उर्वशी रौतेला को ऐप्स के प्रमोशन को लेकर बुलाया गया था। हाल ही में शिखर धवन ने 4 सितंबर को ईडी के सामने पेश होकर प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत अपना बयान दर्ज कराया। अगस्त में सुरेश रैना से भी पूछताछ की गई थी। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ईडी इस पूरे अवैध बेटिंग सिंडिकेट से जुड़े और लोगों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। आने वाले दिनों में और भी नाम सामने आ सकते हैं। एजेंसी का लक्ष्य इस नेटवर्क को जड़ से खत्म करना और इसमें शामिल सभी लोगों को कानून के दायरे में लाना है।

भूकंप के आने के बाद भी नहीं डरीं ड्यूटी पर तैनात नर्सें... नवजात बच्चों को संभालने में जुटी

-वीडियो सामने आने पर लोग कर रहे तारीफ

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के नौगांव सहित कई जिलों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। धरती हिली लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। नौगांव के हॉस्पिटल में ड्यूटी पर तैनात नर्सों ने लेकिन इस दौरान गजब की हिम्मत दिखाई। वे झटकों के बीच वॉर्ड में भर्ती नवजात बच्चों को संभालने में जुट गई। उन्होंने समझदारी दिखाकर उन मशीनों को थामे रखा, जिस पर बच्चे थे। जब यह वीडियो सामने आया, तब लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि नॉर्थ ईस्ट सिसेमिक जोन का हिस्सा है और यहां अक्सर भूपंक के झटके आते हैं। असम में रविवार दोपहर 4.41 बजे 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी हिस्सों के अलावा पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में महसूस हुए। इसका केंद्र असम के उदलगुरी जिले में 5 किमी की गहराई पर था। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि भूकंप का केंद्र उदलगुरी के पास था। अभी तक किसी बड़े नुकसान या जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। हम स्थिति पर सक्रिय रूप से नजर रख रहे हैं। रिपोर्टस के अनुसार, भूकंप आते ही गुवाहाटी में लोग घरों से बाहर निकल गए। नौगांव के हॉस्पिटल में दो नर्स भी बच्चों के वॉर्ड में ड्यूटी कर रही थी। जब उन्हें भूकंप महसूस हुआ वह तुरंत नवजात बच्चों के पास चली गईं और यह ख्याल रखा कि वह वेंटिलेटर से नहीं गिरे।

भारत और अमेरिका के बीच पर्दे के पीछे जारी हैं बातचीत

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच क्या बात बनेगी। ट्रंप के टैरिफ के बाद से ही दोनों देशों के रिश्ते तल्ख हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब तक भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगा चुके हैं। यह ऐसा मुद्दा बन गया है जो दोनों देशों की कूटनीति के साथ ही साथ राजनीति को प्रभावित कर रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप मान चुके हैं कि टैरिफ की वजह से भारत के साथ अमेरिका के रिश्तों में दरार पैदा हुई है। वहीं हाल ही पीएम मोदी की पुतिन और चीन के राष्ट्रपति के साथ हुई मुलाकात के बाद भारत-अमेरिका रिश्तों को लेकर नई बहस छिड़ी है। भारत-अमेरिका तनातनी के बीच दोनों देशों ने बातचीत बंद नहीं की और उम्मीद है कि जल्द रिश्ते सामान्य हो जाएंगे। इन घटनाक्रम के जरिए इस समझा जा सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के शुरू होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी की पहली अमेरिका यात्रा साल 2025 फरवरी में संपन्न हुई। इस यात्रा के ठीक पहले ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा की थी और भारत को टॉप ऑफ द पैक बताया था। इस यात्रा के दौरान पीएम

मोदी ने यह सुनिश्चित करना चाहा था कि ट्रंप की व्यापार नीतियों से भारत को कुछ राहत मिले। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने रक्षा समझौतों पर बात की और साल 2030 तक 500 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य तय किया। टैरिफ की आहट के बीच यह मुलाकात कई मायनों में अहम थी।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अप्रैल के महीने में भारत की चार दिवसीय यात्रा पर आए। इस दौरे का मुख्य फोकस भारत-अमेरिका व्यापार समझौता, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना था। बीते एक दशक में किसी भी मौजूदा अमेरिकी उपराष्ट्रपति की भारत यात्रा नहीं हुई थी। जिस वक्त जेडी वेंस भारत दौरे पर थे तभी पहलगाम में टूरिस्टों पर आतंकी हमले हुए।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय दल कई देशों में गया। मई के महीने में कांग्रेस सासंद शशि थरूर ने अमेरिका की धरती पर जाकर आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख साफ किया। थरूर ने कहा कि पहलगाम हमला करके भारत में हिंसा भड़काने की कोशिश की। थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताया कि किस तरह पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के आंतकी ठिकानों और मुख्यालयों पर कार्रवाई हुई।

अमेरिका की स्पेस एंजेसी नासा और भारत की स्पेस एजेंसी इसरो ने कई सफल अंतरिक्ष मिशन पूरे किए हैं। नासा और इसरो का संयुक्त मिशन निसार (नासा इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार) तय योजना के मुताबिक आगे बढ़ रहा है। 15 अगस्त को मिशन का सबसे अहम पड़ाव पूरा हुआ।

इसी महीने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ दोस्ती के संबंध में नया पोस्ट किया। ट्रंप के पोस्ट पर प्रधानमंत्री मोदी ने भी जवाब दिया है पीएम मोदी ने कहा कि भारत और अमेरिका घनिष्ठ मित्र और स्वाभाविक साझेदार हैं। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि हमारी व्यापार वार्ताएं भारत-अमेरिका साझेदारी की असीम संभावनाओं को उजागर करने का मार्ग प्रशस्त करेंगी। सबसे अहम बात ये है कि टैरिफ विवाद के बाद भी दोनों देशों के बीच बातचीत का कोई रास्ता बंद नहीं किया गया है।

पाकिस्तान को फायदा पहुंचाने मैच खेला गया, लगा था करोड़ों का सट्टा : राउत

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता और राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले को लेकर केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ खेलना ही एक अपराध और देशद्रोह है। उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया है, लेकिन उन 25 महिलाओं की मांग का क्या जो मिटा दिया गया था? जब पाकिस्तान को घुसकर मारने का मौका था, तब बीजेपी की सरकार पीछे हट गई। राउत ने कहा कि क्रिकेट के मैदान पर रविवार को जो हुआ क्या वह फिक्स मैच था। उस मैच पर डेढ़ लाख करोड़ रुपए का सट्टा लगा था, इसमें पाकिस्तान को भी उसका हिस्सा मिला होगा। कल के मैच की वजह से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को कम से कम एक हजार करोड़ रुपए मिले होंगे। राउत ने कहा कि आप पाकिस्तान को हमारी महिलाओं की मांग मिटाने के लिए सक्षम बना रहे हैं। पाकिस्तान जीता या हारा, इससे हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। कुल मिलाकर मैच में डेढ़ लाख करोड़ का सट्टा खेला गया। सब कुछ पहले से फिक्स करके ये मैच खेला गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान को फायदा पहुंचाने के लिए यह मैच खेला गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए सांसद राउत ने सवाल किया कि क्या शाह को ये सब नहीं पता है, क्या भारतीय क्रिकेट बोर्ड को ये नहीं पता चला। भारतीय टीम की मैच खेलने की इच्छा नहीं थी, फिर भी सरकार ने उन्हें खेलने पर मजबूर किया। अगर सरकार ने खेलने की अनुमति नहीं दी होती तो टीम मैदान में नहीं उतरती। वहीं राउत ने शिंदे गुट (शिवसेना) पर निशाना साधते हुए कहा कि बाला साहेब ठाकरे की तस्वीर लगाना बंद करो। बाला साहेब ठाकरे ने भारत-पाकिस्तान मैच का विरोध किया था। क्या आप लोगों को इस बारे में नहीं पता है? संजय राउत ने देवेंद्र फडणवीस और शरद पवार पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रवाद पर भाषण देना और पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना यही भारत के कई नेताओं ने किया है।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला, लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत : केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू

-सपा प्रमुख बोले- बीजेपी हटेगी तभी संविधान बचेगा, आरक्षण बचेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले का स्वागत किया है। यह फैसला हमारे संसदीय लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पूरे कानून पर रोक लगाने से इंकार किया है, लेकिन इसकी संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतिम निर्णय आने तक कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय दिखाता है कि वह संसद के अधिकार का सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि कोई संसद के अधिकार को चुनौती नहीं दे सकता, बल्कि कानून के कुछ विशिष्ट प्रावधानों को चुनौती दी जा सकती है। उन्होंने इस फैसले को भारतीय लोकतंत्र की मजबूती और हमारी संस्थाओं, खासकर न्यायपालिका, में लोगों के विश्वास का प्रतीक बताया। रिजिजू ने ज़ोर देकर कहा कि संशोधित कानून का लक्ष्य गरीब मुसलमानों, खासकर महिलाओं, बच्चों और अनाथों को सीधे लाभ पहुँचाना है। इससे वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही आएगी। उन्होंने कहा कि सरकार उन प्रावधानों पर विचार करेगी, जिन पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई है, और नियमों की समीक्षा करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूरे वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर रोक लगाने से मना कर दिया, लेकिन अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतिम निर्णय आने तक कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि संशोधित अधिनियम की कुछ धाराओं को संरक्षण की आवश्यकता है। अंतरिम आदेश पारित करते हुए, पीठ ने अधिनियम के उस प्रावधान पर रोक लगा दी जिसके तहत वक्फ बनाने के लिए किसी व्यक्ति को पाँच साल तक इस्लाम का अनुयायी होना आवश्यक था।

मानसून की राजस्थान से विदाई, मुंबई की सड़कें पानी-पानी; यूपी और तेलंगाना में बाढ़ से हाहाकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश में मानसून अब विदाई की ओर है, लेकिन कई राज्यों में अभी भी भारी बारिश और बाढ़ का कहर जारी है। एक तरफ जहां राजस्थान से मानसून की विदाई तीन दिन पहले 14 सितंबर से शुरू हो गई तो वहीं दूसरी तरफ यूपी और तेलंगाना में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। मुंबई में रात से ही बारिश शुरू हो गई, जिस कारण सोमवार सुबह कई सड़कों में पानी भर गया।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) द्वारा दी गई जानकारी अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी पश्चिमी राजस्थान से तय समय से तीन दिन पहले ही 14 सितंबर को शुरू हो गई है। आमतौर पर मानसून 17 सितंबर से लौटना शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक देश से पूरी तरह विदा हो जाता है। यहां मौसम विभाग ने मुंबई में अगले तीन घंटों के लिए रेड अलर्ट जारी किया था। यहां तेज बारिश के साथ 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान लगाया गया। यहां रविवार रात को भारी बारिश के कारण सोमवार सुबह से ही सेंट्रल रेलवे की मेन और हार्बर लाइन पर लोकल ट्रेनें करीब

10 मिनट की देरी से चल रही हैं। नवी मुंबई में भी कई सड़कों पर पानी भर गया है।

यूपी के उन्नाव में 80 गांव जलमग्न

जानकारी अनुसार उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में गंगा के उफान से 80 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। हालत यह है कि गांवों में सड़कों पर नावें चल रही हैं। बाढ़ के चलते अधिकाशं क्षेत्रों में जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लोगों ने सुरक्षित स्थलों का रुख किया है, शासन-प्रशासन अलर्ट मोड पर हैं।

मणिपुर और तेलंगाना में बाढ़-लैंडस्लाइड

मणिपुर में रविवार को हुई भारी बारिश से कई जिलों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। वहीं, हैदराबाद में मूसलधार बारिश के बाद अफजलसागर इलाके में दो लोगों के बह जाने की आशंका है, जबकि एक और व्यक्ति लापता है। आईएमडी ने तेलंगाना के हैदराबाद, निजामाबाद, महबूबनगर समेत कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब में नुकसान

उत्तराखंड और तेलंगाना में भी रविवार को जोरदार बारिश दर्ज की गई। हिमाचल प्रदेश में इस मॉनसून सीजन में बारिश और भूस्खलन से अब तक 404 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, पंजाब में बारिश और बाढ़ से लगभग 14,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है।

मानसून का पैटर्न

आईएमडी के मुताबिक, इस बार मानसून ने 24 मई को केरल में दस्तक दी थी, जो 2009 के बाद से सबसे जल्दी आगमन था। 8 जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लिया गया था, जो सामान्य तिथि से नौ दिन पहले है। अब वापसी भी समय से पहले शुरू हो गई है। इस सीजन में देश में औसतन 836.2 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य बारिश (778.6 मिमी) से सात प्रतिशत अधिक है।

कश्मीर से दिल्ली तक पहली बार मालवाहक पार्सल ट्रेन चली, उपराज्यपाल सिन्हा ने दिखाई हरी झंडी

-घाटी के बागवानों और कारोबारियों को बड़ी राहत, अगले ही दिन पहुंचेगा माल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले से सोमवार को पहली बार मालवाहक पार्सल ट्रेन दिल्ली के लिए रवाना हुई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नौगाम रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर इसे रवाना किया। इस सेवा की शुरुआत से घाटी के बागवानों और कारोबारियों को बड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि अब फलों जैसे जल्दी खराब होने वाले उत्पाद सीधे और तेज़ी से देश के प्रमुख बाजारों तक पहुंच सकेंगे।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मालवाहक पार्सल ट्रेन को रवाना कर कहा कि मालगाड़ी सेवा कश्मीर की अर्थव्यवस्था के लिए एक नई ताकत साबित होगी। इससे बागवानी और कृषि उत्पादकों को देशभर के बाजारों तक पहुंचने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि रेल नेटवर्क के जरिए घाटी को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। यह पार्सल ट्रेन प्रतिदिन 23 से 24 टन सेब और अन्य नाशवान सामान दिल्ली ले जाएगी। खास बात यह है कि

बडगाम से रवाना होकर ट्रेन अगले ही दिन दिल्ली पहुंच जाएगी। इससे उत्पादकों को समय और परिवहन लागत दोनों में बचत होगी। अब तक कश्मीर से माल ढुलाई के लिए मुख्य रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन खराब मौसम, बर्फबारी और भूस्खलन के चलते हाईवे लंबे समय तक बंद हो जाता था, जिससे व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ता था। इस नई रेल सेवा से अब इन बाधाओं से राहत मिलेगी और परिवहन का भरोसेमंद विकल्प उपलब्ध होगा।

स्थानीय व्यापारियों और किसानों ने भी इस पहल का स्वागत किया। उनका कहना है कि इससे न केवल समय पर माल पहुंच पाएगा, बल्कि ताजगी और गुणवत्ता भी बनी रहेगी। बदलते कश्मीर की यह तस्वीर न सिर्फ राज्य की अर्थव्यवस्था को नई उड़ान देगी बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाएगी।

चुनाव आयोग को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की शिकायतों पर ध्यान देना चाहिए: एसवाई कुरैशी

विपक्ष के साथ आयोग के व्यवहार को लेकर उन्होंने चिंता जाहिर की

नई दिल्ली(एजेंसी)। पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एसवाई कुरैशी ने चुनाव आयोग की तीखी आलोचना कर कहा कि चुनाव आयोग को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 'वोट चोरी' संबंधी आरोपों की जांच करनी चाहिए थी, न कि उनके खिलाफ 'आपत्तिजनक और अपमानजनक' भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए था।

पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुरैशी ने मीडिया हाऊस को दिए इंटरव्यू में कहा कि राहुल गांधी ने आरोप लगाते समय कई राजनीतिक शब्दों का इस्तेमाल किया था जैसे 'हाइड्रोजन बम' लेकिन यह महज 'राजनीतिक बयानबाजी' है। इसके बावजूद उन्होंने जो गंभीर शिकायतें उठाई हैं, उनके द्वारा उठाई गई शिकायतों की विस्तार से जांच होनी चाहिए थी।

कुरैशी ने बिहार में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की प्रक्रिया की आलोचना कर कहा कि इससे आयोग ने 'भानुमती का पिटारा' खोल दिया है और 'मधुमक्खी के छत्ते' में हाथ डाल दिया है, जिससे खुद संस्था की साख को नुकसान होगा। कुरैशी ने कहा कि चुनाव आयोग को निष्पक्ष होने के साथ-साथ निष्पक्ष दिखना भी जरूरी है।

कुरैशी ने कहा कि राहुल विपक्ष के नेता हैं और करोड़ों लोगों की आवाज उठाते हैं। इसके बाद चुनाव आयोग को उनसे 'शपथपत्र दीजिए, वरना कार्रवाई होगी' जैसी भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए था। उन्होंने इस बयानबाजी को चुनाव आयोग की गरिमा के खिलाफ बताकर कहा कि सामान्य प्रक्रिया शिकायत पर जांच करवाने की होती है, डराने की नहीं।

उन्होंने एसआईआर को खतरनाक कदम बताया। उनके अनुसार 3 दशक में जो काम धीरे-धीरे हुआ था, उसे कुछ महीनों में बदलने की कोशिश गलत है और इससे विवाद और बढ़ेगा उन्होंने मतदाता पहचान पत्र (एपिक) को दस्तावेजों की सूची से बाहर करने को भी गंभीर चूक बताकर कहा कि यह आयोग की अपनी ही पहचान है जिसे नकारने से लोकतंत्र पर असर पड़ेगा।

कुरैशी विपक्ष के साथ आयोग के व्यवहार को लेकर उन्होंने चिंता जाहिर की है। उनका कहना था कि विपक्ष को सुनना लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है, लेकिन आज हालात यह हैं कि 23 दलों को कहना पड़ा कि उन्हें आयोग से मिलने का समय नहीं मिल रहा। यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है।

कर्नाटक में कांग्रेस का नया दांव: लिंगायतों को बताया अलग धर्म, सियासी जंग तय...

बेंगलुरु (एजेंसी)। यहां कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने की आस लगाए बैठे हैं, लेकिन उनका नंबर नहीं आ रहा है। कांग्रेस की आपसी जंग शांत होती इससे पहले यहां के एक मंत्री ने नया दांव चलते हुए लिंगायतों को हिंदुओं से अलग समुदाय होने दावा कर दिया है। इससे राज्य में सियासी जंग छिड़ना स्वाभाविक है। कांग्रेस की सिद्धारमैया सरकार में वन मंत्री ईश्वर खांड्रे ने हाल ही में वीरशैव-लिंगायत महासभा की ओर से बोलते हुए कहा कि समुदाय के सदस्यों को धर्म वाले कॉलम में अन्य चुनना चाहिए और खुद को वीरशैव-लिंगायत के रूप में पहचान बतानी चाहिए। उन्होंने पिछले हफ्ते कहा था कि उन्हें जाति वाले कॉलम में लिंगायत या वीरशैव और तीसरे कॉलम में अपनी उपजाति लिखनी होगी।

विपक्षी भाजपा के लिंगायत नेताओं ने उनके इस सुझाव की निंदा की है और इसे कांग्रेस पार्टी की हिंदू वोटों को विभाजित करने और भाजपा के आधार को कमज़ोर करने के लिए जाति सर्वेक्षण का इस्तेमाल करने की रणनीति के रूप में देखा है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और हावेरी के भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने आरोप लगाया है कि वीरशैव लिंगायत महासभा पूरी तरह से कांग्रेस के साथ जुड़ गई है। उन्होंने कहा, महासभा से मेरा अनुरोध है कि वह कानून और संविधान के अनुसार सलाह दे।

बता दें कि लिंगायत खुद को हिन्दू धर्म का अनुयायी नहीं मानते हैं और एक अलग धर्म का दर्जा चाहते हैं, हालाँकि उन्हें आधिकारिक तौर पर वीरशैव लिंगायत के रूप में हिन्दू उप-जाति में वर्गीकृत किया जाता है। लिंगायत संप्रदाय महात्मा बसवण्णा द्वारा 12वीं शताब्दी में स्थापित एक शैव मत है, जो शिव को एकमात्र देवता के रूप में पूजता है, मूर्ति पूजा नहीं करता और जाति प्रथा व वेदों का खंडन करता है। रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने आगे कहा, महासभा को भ्रम पैदा नहीं करना चाहिए। संविधान में केवल छह धर्मों का उल्लेख है, इसलिए केवल उन्हीं धर्मों के नाम लिखे जाने चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई ने आरोप लगाया कि सिद्धारमैया जाति सर्वेक्षण का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए कर रहे हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने भी कहा कि पार्टी का रुख स्पष्ट है। हम हिंदू हैं और चाहते हैं कि इसे हमारे धर्म के रूप में उल्लेखित किया जाए। वीरशैव-लिंगायत का धर्म के रूप में कोई उल्लेख नहीं है।

जातीय गणना बनेगी मुसीबत

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आगामी 22 सितंबर से राज्य में जातीय जनगणना कराने का फैसला लिया है लेकिन उनका यह फैसला उनकी पार्टी के लिए मुसीबत बनती जा रही है क्योंकि राज्य के प्रभावशाली लिंगायत समुदाय के

लिए यह जनगणना उनकी धार्मिक पहचान के लिए एक बड़ी लड़ाई बन चुकी है। वैसे तो लिंगायत समुदाय जाति सर्वेक्षण में भाग लेने के लिए तैयार है लेकिन समुदाय में इस बात को लेकर मतभेद है कि जाति गणना के सर्वे में लिंगायत समुदाय के सदस्यों को अपनी धार्मिक पहचान वीरशैव-लिंगायत के रूप में दर्ज करानी चाहिए या हिंदू के रूप में।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

स्पेन के मैड्रिड में संदिग्ध गैस रिसाव से विस्फोट, 25 घायल; राहत-बचाव कार्य जारी

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को एक इमारत में विस्फोट हो गया। हादसे में 25 लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। घटना के बारे में मैड्रिड की आपातकालीन सेवाओं ने जानकारी दी। स्पेनिश समाचार एजेंसी ईएफई के अनुसार, अग्निशमन कर्मियों को संदेह है कि विस्फोट गैस रिसाव के कारण हुआ है। हालांकि, पुलिस अभी विस्फोट के कारणों की जांच कर रही है। अग्निशमन विभाग के प्रमुख जेवियर रोमेरो ने बताया कि विस्फोट दोपहर करीब तीन बजे तीन मंजिला इमारत की निचली मंजिल पर हुआ। सूचना मिलते ही अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे और उन्होंने मलबे में दबे चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उन्होंने बताया कि विस्फोट से एक कैफे, एक दुकान और अन्य संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है।

इस्राइली मंत्री रेगेव को तुर्किये से मिली धमकियां, कहा- हम तुम्हें और तुम्हारे देश को दफन कर देंगे

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल की परिवहन मंत्री मिरी रेगेव को तुर्किये के फोन नंबरों से सैकड़ों नफरत भरे संदेश और धमकियां भेजी गई हैं। उन्हें धमकी दी गई कि हम तुम्हें और तुम्हारे देश को दफन कर देंगे। तुर्किये के हैकरों ने उनके निजी मोबाइल नंबर और अन्य मंत्रियों के फोन नंबर लीक किए थे। इस्राइली मंत्री रेगेव को भेजे गए संदेशों में लिखा था, हिटलर सही था। उसे तुम सबको मार देना चाहिए था। हम तुम्हें और तुम्हारे देश को दफन कर देंगे। मैं तुर्किये हूं। मैं तुम्हें नर्क में भेज दूंगा। रक्षा मंत्री ने भी ऐसे ही संदेश मिलने की पुष्टि की थी इस्राइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने भी कल ऐसे ही संदेश मिलने की पुष्टि की थी। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर जवाब में लिखा, उन्हें फोन और धमकियां देते रहने दो, और मैं उनके सदस्यों, आतंकवाद के सरगनाओं का सफाया करने का आदेश देता रहूंगा।

सरकारी इमारतों समेत कई स्थानों पर जेन-जी ने शुरू किया सफाई अभियान

काठमांडो, एजेंसी। कई दिनों की अशांति के बाद नेपाल में अब धीरे-धीरे जनजीवन सामान्य हो रहा है। काठमांडो घाटी समेत देश के अन्य हिस्सों से शनिवार को कर्फ्यू और प्रतिबंधात्मक आदेश हटा लिया गया। दुकानें, किराना स्टोर, सब्जी बाजार और शॉपिंग मॉल दोबारा खुल गए हैं। सड़कों पर भी वाहनों की चहल-पहल बढ़ गई है। इस बीच, शनिवार को प्रमुख सरकारी भवनों समेत कई स्थानों पर सफाई अभियान चलाया गया, जिन्हें हाल ही में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा तोड़फोड़ कर आग के हवाले कर दिया गया था। जेन-जी युवाओं के साथ इनमें समाजसेवी केपी खनाल भी जुटे रहे। शुरू हो गई। काठमांडो से देश के विभिन्न भागों के लिए लंबी दूरी की बसों का संचालन भी शुरू हो गया है। हालांकि, काठमांडो के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिश्वो अधिकारी के अनुसार संभावित विरोध प्रदर्शनों को रोकने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कुछ संवेदनशील क्षेत्रों में प्रतिबंध जारी रहेंगे। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि छात्रों के सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान महत्वपूर्ण न्यायिक दस्तावेज नष्ट हो गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन के साथ ही सुप्रीम कोर्ट की इमारत में भी आग लगा दी थी। मुख्य न्यायाधीश प्रकाशमान सिंह राउत ने एक बयान में आंदोलन के दौरान आगजनी, पथराव, तोड़फोड़ और लूटपाट के कारण अदालती भवनों को हुए नुकसान पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नेपाल के न्यायिक इतिहास से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज हिंसा में लगभग नष्ट हो गए। उन्होंने यह भी कहा कि हम सभी परिस्थितियों में न्याय के मार्ग पर अडिग और दृढ़ हैं। हम नागरिकों की न्याय की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए जल्द से जल्द अदालती कामकाज फिर से शुरू करने का संकल्प लेते हैं।

ब्रिटेन के वेस्ट मिडलैंड्स में सिख महिला पर हमला, ब्रिटिश एमपी प्रीत कौर गिल ने की निंदा; लोगों में आक्रोश

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के वेस्ट मिडलैंड्स इलाके में एक सिख महिला के साथ हुए यौन उत्पीड़न और नस्लीय हमले की घटना ने सिख समुदाय में गहरी चिंता पैदा कर दी है। इस मामले की जांच पुलिस कर रही है और इसे नस्लीय घृणा से प्रेरित अपराध माना जा रहा है। ब्रिटिश सिख सांसद प्रीत कौर गिल ने इस हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं इस भयानक हमले से बेहद सदमे में हूं। हमलावरों ने पीड़िता से कहा कि वह यहां की नहीं है। लेकिन सच यह है कि वह यहीं की है।

लंदन में अवैध-अप्रवासी मुद्दे पर प्रदर्शन, 1 लाख लोग जुटे

मस्क भी जुड़े, कहा- लड़ो या मरो; प्रोटेस्ट के समय पीएम फुटबॉल मैच देख रहे थे

लंदन, एजेंसी। सेंट्रल लंदन में शनिवार को 1 लाख से ज्यादा लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रोटेस्ट को यूनाइट द किंगडम नाम दिया गया, जिसे एंटी-इमिग्रेशन नेता टॉमी रॉबिन्सन ने लीड किया। इसे ब्रिटेन की सबसे बड़ी दक्षिणपंथी रैली माना जा रहा है। इस प्रदर्शन में टेस्ला मालिक इलॉन मस्क वीडियो के जरिए शामिल हुए। मीडिया चैनल द इंडिपेंडेंट के मुताबिक उन्होंने टॉमी रॉबिन्सन से बात की। मस्क ने कहा, हिंसा तुम्हारे पास आ रही है। या तो लड़ो या मरो। मस्क ने ब्रिटेन में संसद भंग करने की मांग की। उन्होंने कहा, सरकार बदलनी होगी। वही, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर उस वक्त फुटबॉल मैच देख रहे थे। वे अपने बेटे के साथ लंदन के एमिरेट्स स्टेडियम में थे, जब शहर में हिंसा हो रही थी।

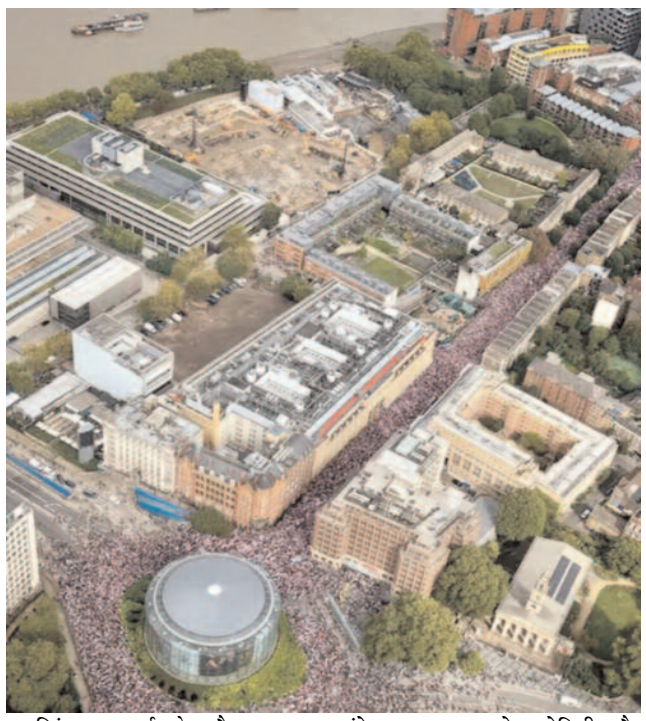

28 हजार प्रवासी इस साल ब्रिटेन पहुंचे : इस प्रदर्शन का मकसद ब्रिटेन में अवैध अप्रवासन (इलीगल इमीग्रेशन) के खिलाफ आवाज उठाना था। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि अवैध प्रवासियों को देश से बाहर किया जाए। इस साल 28 हजार से ज्यादा प्रवासी इंग्लिश चैनल के रास्ते नावों में ब्रिटेन पहुंचे थे।

प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई : इसी दिन स्टैंड अप टू रेसिज्म नामक एक विरोधी प्रदर्शन भी हुआ, जिसमें लगभग 5,000 लोग शामिल थे। दोनों समूहों के बीच टकराव रोकने के लिए पुलिस ने घेराबंदी कर रखी थी। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने मीडिया को बताया कि यूनाइट द किंगडम मार्च के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस का घेरा तोड़ने की कोशिश की और विरोधी समूह की ओर बढ़ने का प्रयास किया।

इस दौरान कई पुलिसकर्मियों पर हमला हुआ। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए 1,600 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया, जिनमें 500 अन्य क्षेत्रों से बुलाए गए थे। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी और इजराइली झंडे लहराए प्रदर्शनकारियों ने यूनियन जैक और सेंट जॉर्ज क्रॉस के झंडे लहराए। कुछ ने अमेरिकी और इजराइली झंडे भी उठाए। कई प्रदर्शनकारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से जुड़ी मेक अमेरिका ग्रेट अगेन टोपी पहने हुए थे। प्रदर्शन में प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के खिलाफ नारे लगाए गए और उन्हें वापस भेजो जैसे संदेशों वाले बैनर दिखाई दिए। कुछ लोग अपने बच्चों को भी साथ लाए। टॉमी रॉबिन्सन, जिनका असली नाम स्टीफन यैक्सली-लेनन है, ने इस मार्च को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उत्सव बताया। प्रदर्शनकारियों से झड़प में 26 पुलिसकर्मी लहूलुहान रैली का मकसद आव्रजन (इमिग्रेशन) का विरोध करना था। लेकिन यह विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया और रॉबिन्सन समर्थकों व पुलिस के बीच झड़पें हुईं। पुलिस ने बताया कि उन्हें भीड़ को काबू करने में काफी मुश्किल हुई। इसी दौरान 26 पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। कई पुलिसवालों को घूंसे, लात और बोतलों से चोटें आईं, किसी के दांत टूट गए तो किसी की नाक और सिर पर गंभीर चोट पहुंची। पुलिस के मुताबिक रैली में लगभग 1,10,000 लोग मौजूद थे। लेकिन ड्रोन और हवाई तस्वीरों से यह भी साफ दिखा कि मध्य लंदन की कई किलोमीटर लंबी सड़कें प्रदर्शनकारियों से भर गई थीं, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि भीड़ इससे भी ज्यादा हो सकती थी। इसी बीच, टॉमी रॉबिन्सन ने दावा किया कि इस रैली में लाखों लोग पहुंचे थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर इसे अपने समर्थकों की अब तक की सबसे बड़ी भीड़ बताया और मुख्यधारा के मीडिया पर सच्चाई छिपाने का आरोप लगाया।

यह रैली एक और प्रदर्शन स्टैंड अप टू रेज्सिम (नस्लवाद के खिलाफ) के साथ समानांतर चली, जिसमें करीब 5,000 लोग शामिल हुए। दोनों पक्षों के बीच भिड़ंत न हो, इसके लिए पुलिस को दिनभर कई बार बांध क्षेत्र (बफर जोन) बनाना पड़ा और भीड़ को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने पड़े।

हमास नेता संघर्षविराम नहीं होने दे रहे, इस्राइली पीएम बोले- इनसे छुटकारा पाकर ही खत्म होगी लड़ाई

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया कि कतर में हमास नेता संघर्षविराम के प्रयासों में बाधा डाल रहे हैं और गाजा में संघर्ष को बढ़ा रहे हैं। नेतन्याहू ने कहा कि कतर में रह रहे हमास नेताओं से छुटकारा पाकर ही शांति स्थापित हो सकती है। बेंजामिन नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कतर सरकार पर भी निशाना साधा और हमास नेताओं को पनाह देने का आरोप लगाया।

इस्राइल का कतर पर निशाना नेतन्याहू ने लिखा कि कतर में रह रहे हमास के आतंकी प्रमुखों को गाजा के लोगों की कोई परवाह नहीं है। उन्होंने युद्ध को अंतहीन रूप से खींचने के लिए युद्धविराम के सभी प्रयासों को बाधित कर दिया। उनसे छुटकारा पाकर ही हमारे सभी बंधक रिहा हो सकेंगे और युद्ध समाप्त हो सकेगा। इस्राइली पीएम नेतन्याहू की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब इस्राइल ने शीर्ष हमास नेताओं को शरण देने के लिए कतर की बार-बार आलोचना की है। नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर साझा एक वीडियो संदेश में कहा कि इस्राइल, हमास नेताओं के खिलाफ, चाहे वे कहीं भी हों, कार्रवाई करेगा, जब तक कि कतर उन्हें बाहर न निकाल दे या उन्हें न्याय न हो जाए।

इस्राइल के कतर में किए गए हमले पर विवाद : इस्राइली वायुसेना ने मंगलवार को हमास के नेताओं को निशाना बनाने के लिए कतर की राजधानी दोहा में बड़ा हवाई हमला किया था। इस हमले में हमास के नेताओं की मौत हो गई थी।

कतर पर हुए हमले की मध्य पूर्व और उसके बाहर कई देशों ने व्यापक निंदा की। इसके बाद कतर और इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया। साथ ही युद्ध को समाप्त करने और गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को मुक्त कराने के लिए चल रही बातचीत खतरे में पड़ गई है। हमले के बाद हमास ने कहा कि उसके शीर्ष नेता हमले में बच गए, लेकिन पांच निचले स्तर के सदस्य मारे गए। इसमें गाजा में हमास के नेता और उसके शीर्ष वार्ताकार खलील अल-हय्या का बेटा, तीन अंगरक्षक और अल-हय्या के कार्यालय का प्रमुख शामिल है।

तुम्हारी हत्या हो सकती है, चार्ली किर्क को यूटा यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम से पहले ही मिली थी चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की बुधवार को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक शीर्ष सुरक्षा विशेषज्ञ ने चार्ली किर्क को पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर चार्ली ने अपनी सुरक्षा को मजबूत नहीं किया तो 100 फीसदी उनकी हत्या हो सकती है। चार्ली को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, एक सुरक्षा एजेंसी द बॉडीग्रुप ग्रुप ऑफ बेवर्ली हिल्स के मालिक क्रिस हजोंग ने बताया कि 6 मार्च को कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी में उनकी चार्ली किर्क से मुलाकात हुई थी। हजोंग ने बताया कि उन्होंने किर्क को चेतावनी दी थी कि अगर सावधानी नहीं बरती गई तो उनके विश्वविद्यालय के कार्यक्रम के दौरान उनकी 100 फीसदी हत्या हो सकती है। पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने चार्ली किर्क की हत्या के संदिग्ध आरोपी को पकड़ लिया है, जब उसके परिवार के एक सदस्य ने उसे पुलिस के हवाले करने में मदद की। यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में चार्ली किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी 31 वर्षीय किर्क को ओरेम शहर में यूटा वैली विश्वविद्यालय में छात्रों के समूह को संबोधित करते समय गोली मार दी गई थी। किर्क के गर्दन में एक गोली लगी और वे वहीं गिर पड़े। हत्या के संदिग्ध टायलर रॉबिन्सन को गोलीबारी के लगभग 33 घंटे बाद गुरुवार रात हिरासत में ले लिया गया।

हर्जोग ने बताया कि किर्क ने उनकी कुछ सलाह मानी, लेकिन उन्होंने हर्जोग से दोबारा संपर्क नहीं किया। उन्होंने बताया दुर्भाग्य से उसने मुझसे कभी संपर्क नहीं किया और अब उसकी हत्या की मेरी भविष्यवाणी सच साबित हुई है। हर्जोग ने बताया कि उनकी टीम के सभी सदस्य मानते थे कि चार्ली किर्क के लिए सुरक्षा पर्याप्त नहीं थी और उनकी हत्या किए जाने की आशंका थी। सुरक्षा विशेषज्ञ ने किर्क को अपनी सुरक्षा के लिए बुलेटप्रूफ ग्लास पैनल और 700 मीटर के दायरे में किसी की भी निगरानी के लिए मेटल डिटेक्टर लगाने की सलाह दी थी।

कनाडा में आव्रजन विरोधी रैली के दौरान जमकर बवाल, टोरंटो पुलिस ने 10 लोगों को किया गिरफ्तार

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के टोरंटो शहर में शनिवार दोपहर एक आव्रजन विरोधी रैली और उसके जवाब में हुए बड़े विरोध प्रदर्शन के दौरान जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान टोरंटो पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार किया। यह घटना शहर के क्रिस्टी पिट्स पार्क इलाके में हुई।

पहली गिरफ्तारी और रैली की शुरुआत : एक स्थानीय समाचार एजेंसी के मुताबिक, सबसे पहली गिरफ्तारी दोपहर 12:40 बजे (स्थानीय समय) के आसपास ब्लूर स्ट्रीट वेस्ट और क्रिस्टी स्ट्रीट के पास हुई, जहां एक व्यक्ति पर हमले का आरोप लगा। इसके बाद दिन भर में कुल 10 गिरफ्तारियां की गईं। यह रैली कनाडा फर्स्ट पैट्रियट रैली के नाम से आयोजित की गई थी। आयोजकों का दावा था कि यह रैली सामूहिक आप्रवासन यानी बड़े पैमाने पर हो रहे आव्रजन के खिलाफ और कनाडाई मूल्यों की रक्षा के लिए की जा रही है। रैली के आयोजक जो एनीडजार ने रेडियो-कनाडा को बताया, हमारा मकसद है कि कनाडाई नागरिकों को प्राथमिकता दी जाए, देश को पहले रखा जाए। बड़े पैमाने पर हो रहा आव्रजन हमारे राष्ट्रीय संसाधनों पर दबाव डाल रहा है।

विरोध-प्रदर्शन में सैकड़ों लोग जुटे : इस रैली का विरोध करने के लिए सैकड़ों लोग उसी पार्क में इकट्ठा हुए। ये लोग आप्रवासियों और हाशिए पर रह रहे समुदायों के समर्थन में आए थे। ओंटारियो फेडरेशन ऑफ लेबर ने अपने फेसबुक पोस्ट में कहा कि क्रिस्टी पिट्स पार्क लंबे समय से फासीवाद विरोधी आंदोलनों का केंद्र रहा है। यह पार्क प्रवासी समुदायों, आदिवासियों, एलजीबीटीक्यू+ समूहों, हिंसा के पीड़ितों, बेघर लोगों, कलाकारों और छात्रों के लिए बेहद महत्वपूर्ण जगह है। वर्कर्स एक्शन सेंटर की कार्यकारी निदेशक डिना लैड ने आव्रजन विरोधी सोच की निंदा की। उन्होंने कहा कि नए आने वाले लोगों को मकान की कमी, खाने की असुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की समस्याओं के लिए दोषी ठहराना गलत है। डिना लैड ने कहा, सच्चाई यह है कि यह समस्याएं अप्रवासियों की वजह से नहीं हैं। हमें सस्ती आवास सुविधाएं नहीं मिल रहीं, फूड बैंक में पर्याप्त खाना नहीं है और हेल्थ सर्विसेज में दिक्कतें हैं। इसके लिए प्रवासी समुदायों को दोषी ठहराना बिल्कुल गलत है। प्रदर्शनों के चलते पुलिस ने अस्थायी रूप से ब्लूर स्ट्रीट वेस्ट के कुछ हिस्सों को बंद कर दिया। इसके अलावा बे स्ट्रीट, यॉन्ग स्ट्रीट और वेल्सले स्ट्रीट के आसपास ट्रैफिक पर असर पड़ा। शाम तक सभी सड़कें फिर से खोल दी गईं जब प्रदर्शनकारी सैंकोफा स्क्वायर की ओर बढ़े।

डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ चेतावनी पर भड़का ड्रैगन

कहा- जंग से समस्याएं नहीं सुलझतीं और प्रतिबंधों से हालात और बिगड़ते हैं

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। कारण है कि बीते दिनों राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 50प्रतिशत से 100प्रतिशत टैरिफ करने की चेतावनी दी थी। ऐसे में अब ड्रैगन ने भी ट्रंप की चेतावनी पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि जंग से समस्याएं नहीं सुलझतीं और प्रतिबंधों से हालात और बिगड़ते हैं।

बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि नाटो को चीन पर 50-100प्रतिशत टैक्स लगाना चाहिए और यह टैक्स रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने तक जारी रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन का रूस पर मजबूत नियंत्रण है, और ये ताकतवर टैक्स उस पकड़ को तोड़ सकते हैं।

क्या बोले चीन के विदेश मंत्री : स्लोवेनिया में वहां की डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री तान्या फयोन से मुलाकात के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में वांग यी ने अमेरिकी चेतावनी का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि चीन किसी भी युद्ध में भाग नहीं लेता और न ही उसकी कोई योजना है। चीन हमेशा शांति वार्ता और राजनीतिक समाधान को बढ़ावा देता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिबंध और टैरिफ से हालात नहीं सुधरते, बल्कि और उलझते हैं।

चीन और यूरोप के संबंध पर भी बोले वांग : इसके साथ ही वांग यी ने कहा कि चीन और यूरोप को प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी बनना चाहिए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों को साथ मिलकर सुरक्षित रखने की बात कही और दुनिया में फैले संघर्षों को शांति से सुलझाने पर जोर दिया।

ट्रंप का चीन पर गंभीर आरोप : गौरतलब है कि ट्रंप इससे पहले भी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर अमेरिका के खिलाफ साजिश करने का आरोप लगा चुके हैं। यह आरोप उस वक्त लगाया गया था जब चीन ने तीन सितंबर को अब तक की सबसे बड़ी सैन्य परेड की थी, जिसमें उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शामिल हुए थे। हालांकि ट्रंप ने बाद में कहा कि उनके व्यक्तिगत संबंध शी जिनपिंग से बहुत अच्छे हैं।

अफ्रीकी प्रवासियों को जबरन निकालने की तैयारी में ट्रंप प्रशासन, संघीय न्यायाधीश ने लगाई फटकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में पांच अफ्रीकी प्रवासियों को जबरन उनके देश भेजने के मामले में एक अमेरिकी संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन को जमकर फटकार लगाई है। न्यायाधीश ने प्रशासन पर कोर्ट के आदेश को दरकिनार करने को लेकर सवाल तीखे सवाल पूछे है। मामले में न्यायाधीश तान्या चटकन ने कहा कि ऐसा लगता है कि प्रशासन अदालत के आदेशों को दरकिनार करने की कोशिश कर रहा है, ताकि पांच अफ्रीकी प्रवासियों को उनके देशों में वापस भेजा जा सके, जहां उन्हें यातना या मौत का खतरा है। ऐसे में इस मामले में चर्चा तब तेज हो गई जब ट्रंप प्रशासन ने इन पांच प्रवासियों को सीधे उनके देश भेजने की बजाय पहले घाना भेजा, ताकि घाना उन्हें आगे उनके मूल देशों में भेज सके। कोर्ट ने इन प्रवासियों को उनके देशों में भेजने से रोक दिया था, क्योंकि वहां उनकी जान को खतरा है। एसीएलयू ने कोर्ट में दिया तर्क, लेकिन न्यायाधीश ने लगाई फटकार बता दें कि अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) ने बताया कि इन पांच में से एक व्यक्ति को पहले ही घाना से गाम्बिया भेज दिया गया है, जबकि अमेरिकी अदालत ने साफ कहा था कि उसे गाम्बिया नहीं भेजा जा सकता। इसपर न्याय विभाग की वकील एलियानिस पेरेज ने कोर्ट में दलील दी कि घाना ने वादा किया था कि वह ऐसा नहीं करेगा। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका यह तय नहीं कर सकता कि घाना किसे कहां भेजेगा। न्यायाधीश ने कोर्ट को दिए आदेश हालांकि, जज चटकन ने सरकार से नाराजगी जताते हुए कहा कि मुझे ये मत कहिए कि आपके पास घाना पर कोई नियंत्रण नहीं है। मैं जानती हूं कि ऐसा नहीं है। मामले में आगे न्यायाधीश ने प्रशासन को आदेश दिया कि वे शनिवार रात नौ बजे तक कोर्ट को लिखकर बताएं कि उन्होंने क्या कदम उठाए हैं ताकि बाकी प्रवासियों को गलत तरीके से उनके खतरनाक मूल देशों में न भेजा जाए। गौरतलब है कि कोर्ट ने पूरे मामले की तुलना किल्मर अबरेगो गार्सिया से की, जिसे पहले गलत तरीके से अल सल्वाडोर भेज दिया गया था, जबकि कोर्ट ने ऐसा करने से मना किया था। बाद में कोर्ट के आदेशों पर उसे अमेरिका वापस लाया गया। इस मामले ने ट्रंप प्रशासन की प्रवासी नीति और अदालत के आदेशों की अनदेखी करने के रवैये पर फिर से बहस छेड़ दी है।

सुशीला कार्की ने प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभाला, अंतरिम सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार पर मंथन जारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की नवनियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की रविवार सुबह 11 बजे सिंह दरबार में आधिकारिक रूप से कार्यभार संभाल लिया। पूर्व मुख्य न्यायाधीश कार्की को शुक्रवार रात को अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके साथ ही प्रधानमंत्री सुशीला कार्की रविवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकती हैं। वह मंत्रियों के नामों को अंतिम रूप देने में अपने सहयोगियों के साथ विचार-विमर्श कर रही हैं। बताया जा रहा है कि मंत्रिमंडल का विस्तार छोटा होगा।

वहीं दूसरी ओर पीएम कार्की गृह, विदेश और रक्षा समेत लगभग दो दर्जन मंत्रालय अपने पास रख सकती हैं। मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाओं के बीच शनिवार को समय निकालकर वह सरकार विरोधी प्रदर्शन में घायलों से मिलने सिविल अस्पताल भी गई थीं। शुक्रवार को शपथ लेने के तुरंत बाद भी वह अस्पताल जाकर घायलों का हाल जाना था।

मंत्रिमंडल में शामिल किए जा सकते हैं 15 मंत्री : काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, कार्की ने अपने मंत्रिमंडल को अंतिम रूप देने की तैयारी के लिए जेन जी आंदोलन के करीबी सलाहकारों और प्रमुख हस्तियों के साथ परामर्श शुरू कर दिया है। उनके एक सहयोगी ने दावा किया है कि कार्की रविवार सुबह अपने मंत्रिमंडल के गठन के लिए गहन चर्चा शुरू करेंगी। सभी 25 मंत्रालयों पर अधिकार रखने के बावजूद वह कथित तौर पर 15 से अधिक मंत्रियों के साथ एक सुव्यवस्थित मंत्रिमंडल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इन नामों पर चल रहा है विचार : काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार मंत्री पदों के लिए जिन नामों पर विचार किया जा रहा है उनमें कानूनी विशेषज्ञ ओम प्रकाश आर्यल, पूर्व सेना अधिकारी बालानंद शर्मा,

सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति आनंद मोहन भट्टाराई, माधव सुंदर खड़का, अशीम मान सिंह बसन्यात और ऊर्जा विशेषज्ञ कुलमन घीसिंग शामिल हैं। चिकित्सा क्षेत्र से डॉ. भगवान कोइराला, डॉ. संदुक रुइत, डॉ. जगदीश अग्रवाल और डॉ. पुकार चंद्र श्रेष्ठ जैसे प्रमुख लोगों के नामों पर विचार चल रहा है।

नामों को लेकर हो रही है ऑनलाइन वोटिंग : काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, जेनरेशन जेड के सदस्य भी समानांतर परामर्श कर रहे हैं। इसके लिए वह ऑनलाइन वोटिंग का भी सहारा ले रहे हैं। अगर इन नामों पर आम सहमति बन जाती है, तो मंत्रिमंडल रविवार शाम तक शपथ ले सकता है, हालांकि चर्चा के नतीजों के आधार पर इसे सोमवार तक के लिए भी टाला जा सकता है।

5 मार्च 2026 को होंगे संसदीय चुनाव : नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार को नव नियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की सिफारिश पर देश की संसद (प्रतिनिधि सभा) को भंग कर दिया था। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी सूचना के अनुसार सदन का विघटन 12 सितंबर 2025 की रात 11 बजे से प्रभावी हुआ। अंतरिम सरकार बनने के साथ ही अधिकारियों ने देश में नए सिरे से संसदीय चुनाव कराने का भी एलान कर दिया। नेपाल में अब 5 मार्च 2026 को आम चुनाव कराए जाएंगे।

सोमवार से खुलेंगे स्कूल : काठमांडू महानगरपालिका क्षेत्र के स्कूलों में सोमवार से कक्षाएं शुरू होंगी। शनिवार को जारी सूचना में महानगर ने कहा कि शिक्षक और कर्मचारी रविवार को ही स्कूल में उपस्थित होंगे, लेकिन पढ़ाई सोमवार से शुरू होगी। रविवार को स्कूलों में प्रशासनिक काम, क्षति का मूल्यांकन और विवरण संकलन किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, जो स्कूल संचालन योग्य स्थिति में होंगे वहां कक्षाएं होंगी। युवाओं के आंदोलन के कारण 8 सितंबर से स्कूल बंद थे।

कई दिनों की अशांति के बाद नेपाल में अब धीरे-धीरे जनजीवन सामान्य हो रहा है। काठमांडो घाटी समेत देश के अन्य हिस्सों से शनिवार को कर्फ्यू और प्रतिबंधात्मक आदेश हटा लिया गया। दुकानें, किराना स्टोर, सब्जी बाजार और शॉपिंग मॉल दोबारा खुल गए हैं। सड़कों पर भी वाहनों की चहल-पहल बढ़ गई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नि:संतान पड़ोसी ने 6 साल के बच्चे का अपहरण किया

यूपी भागने से पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ा पानीपुरी के बहाने मासूम को उठा ले गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा इलाके में 6 साल के मासूम के अपहरण की घटना से सनसनी मच गई। अपहरण का मुख्य आरोपी वही निकला जो उसी सोसायटी में रहने वाला नि:संतान पड़ोसी है और बच्चे को यूपी ले जाने की फिराक में था। पांडेसरा पुलिस ने चंद घंटों में ही 100 से अधिक CCTV फुटेज खंगालकर आरोपी को सूरत रेलवे स्टेशन से दबोच लिया और बच्चे को सुरक्षित परिवार को सौंप दिया।

पांडेसरा निवासी उजेरिया साजन निषाद ने कल रात पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनका 6 साल का बेटा अरुण लापता है। अरुण की बड़ी बहन अंजिता ने बताया कि शाम 5 बजे वे बाहर खेल रहे थे, तभी उनके पड़ोसी सोनू उर्फ बहादुर प्रभु गौड़ और एक अन्य व्यक्ति पवन आए। सोनू ने अरुण को पानीपुरी खिलाने के बहाने अपने साथ ले गया था और वह वापस नहीं लौटा। आसपास खोजबीन करने के बावजूद अरुण का कोई पता नहीं चला।

पुलिस जांच में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। आरोपी सोनू गौड़ की शादी हो चुकी है, लेकिन उसकी कोई संतान नहीं है जबकि उसकी पत्नी उत्तर प्रदेश के महाराजगंज में रहती है। पुलिस को शक है कि संतान न होने के कारण ही उसने बच्चे का अपहरण किया और उसे यूपी ले जाकर पालने का इरादा था।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पांडेसरा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। शहर की क्राइम ब्रांच और महिधरपुरा पुलिस की टीमों ने मिलकर आरोपी की तलाश शुरू की। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी बच्चे को लेकर ट्रेन से अपने गांव जाने वाला है। पुलिस की टीम ने तुरंत सूरत सेंट्रल रेलवे स्टेशन के हर प्लेटफॉर्म और आसपास की जांच की। सतर्कता के चलते आरोपी सोनू उर्फ बहादुर प्रभुभाई मुसई गौड़ को बच्चे के साथ रेलवे स्टेशन के बाहर ही पकड़ लिया गया।

पुलिस की समय पर कार्रवाई से मासूम बच्चा बड़े अनहोनी से बच गया। आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और आगे की जांच जारी है।

प्रेम विवाह करने वाली बेटी रोती-चिल्लाती रही

मायके वाले घर से उठा ले गए, दक्ष रबारी नाम का आरोपी गिरफ्तार

पुलिस पहुंचने से पहले युवती का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गांधीनगर के देहगाम में रहने वाली और डेढ़ साल पहले प्रेम विवाह करने वाली युवती का मायके पक्ष द्वारा अपहरण किए जाने से सनसनी फैल गई है। जब वह अपने ससुराल में थी, तभी युवती के मामा सहित कई लोग घर में घुस आए और उसे कार में डालकर फरार हो गए। अपहरण के चौंकाने वाले दृश्य सीसीटीवी में कैद हो गए। युवती के पति की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

पुलिस ने आठ लोगों की अलग-अलग टीम बनाकर जांच शुरू कर दी है। रात में पुलिस ने दक्ष रबारी नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं दूसरी ओर पुलिस के पास पहुंचने से पहले ही युवती का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें वह कह रही है कि वह अपनी इच्छा से आई है और उसका अपहरण नहीं हुआ। पुलिस ने भी कहा कि पीड़िता मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डेढ़ साल पहले रवि और आयुषी ने प्रेम विवाह किया था देहगाम के 23 वर्षीय रवि हितेंद्रकुमार पटेल की शिकायत के अनुसार, उसने डेढ़ साल पहले आयुषी नाम की युवती से प्रेम संबंध के बाद कोर्ट मैरिज की थी। शादी के बाद चार महीने तक दोनों बाहर रहे और पिछले दो महीने से देहगाम में परिवार के साथ रह रहे थे।

रविवार दोपहर करीब ढाई बजे रवि के घर आयुषी के मामा कानजीभाई रबारी, केवुलभाई रणछोड़भाई रबारी, दक्ष जगदीशभाई रबारी, गोविंद कनुभाई रबारी और अन्य तीन अज्ञात व्यक्तियों सहित कुल छह लोग एक्टिवा, किआ सॉनेट और क्रेटा गाड़ी लेकर पहुंचे। इन लोगों ने घर के बाहर आकर शोर मचाया और आयुषी को उनके साथ भेजने की मांग की। जब आयुषी ने इनकार किया तो वे लोग लाठियां लेकर घर में घुस गए। उन्होंने आयुषी को खींचकर ले जाने की कोशिश की।

वलसाड़ में इंस्टा पर दोस्ती कर युवती से 6.95 लाख के गहने ठग लिए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड़ के लीलापुर की 25 वर्षीय विवाहित महिला की 2024 में एक रिश्तेदार के जरिए ककवाड़ी निवासी हार्दिक टंडेल से पहचान हुई थी। हार्दिक ने 20 मई 2024 को विवाहित महिला को इंस्टाग्राम पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी थी, जिसे स्वीकार करने के बाद दोनों के बीच दोस्ती हुई और बातचीत के साथ-साथ कभी-कभी मुलाकात भी होने लगी।

जुलाई 2024 में हार्दिक ने महिला से कहा कि उसे शिप पर जाना है, इसलिए पैसों की जरूरत है। जब महिला ने बताया कि उसका पति पैसे नहीं देगा, तो हार्दिक ने कहा कि अगर तुम्हारे पास कोई गहने हों तो मुझे दे दो।

मैं उन्हें गिरवी रखकर पैसे ले लूंगा और शिप से लौटने पर तुम्हें पैसे वापस कर दूंगा। इस भरोसे पर महिला ने पहले अपने कन्यादान में मिले गहने, पति से सगाई में मिले गहने और शादी में मिले तोहफे के गहने उसे दे दिए।

इसके बाद हार्दिक टंडेल ने बार-बार शिप पर जाने का बहाना बनाकर महिला से पैसों और गहनों की मांग की और कुल 172.35 ग्राम वजन के सोने के गहने, जिनकी कीमत करीब 6.95 लाख रुपये है, ले लिए। जब महिला ने बार-बार अपने गहने वापस मांगे तो हार्दिक का असली चेहरा सामने आया।

महिला के गहने लौटाने के बजाय हार्दिक उसे जान से मारने की धमकी देने लगा। आखिरकार, 6.95 लाख के गहने वापस न करने पर महिला ने हार्दिक टंडेल के खिलाफ ग्रामीण पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

पानोली GIDC में फिर आग की घटना

संघवी ऑर्गेनिक्स की टोल्यून टैंक में दूसरी बार आग लगने से फायर विभाग अलर्ट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

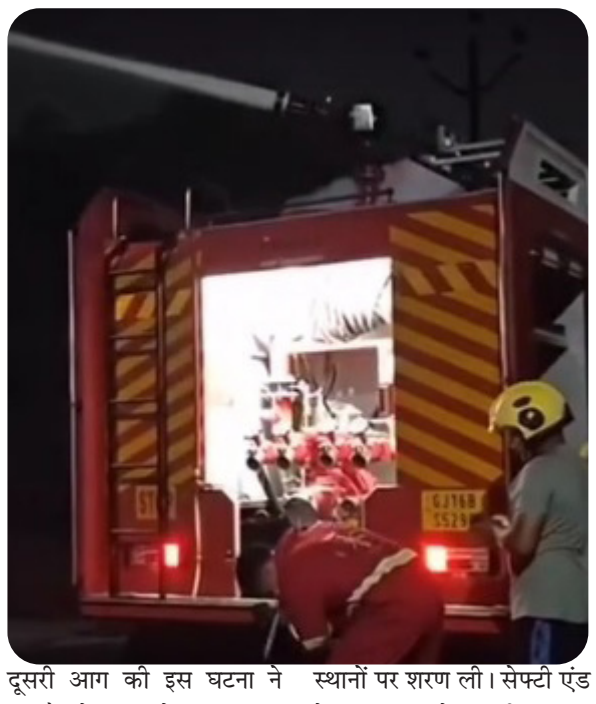

पानोली GIDC क्षेत्र में स्थित संघवी ऑर्गेनिक्स कंपनी में कल सुबह लगी आग के बाद रात में फिर से आग लगने की घटना हुई। कंपनी की टोल्यून टैंक में पहली बार सुबह अचानक आग भड़क उठी थी। इस आग ने पलभर में पूरी कंपनी को अपनी चपेट में ले लिया था।

पहली आग की घटना में दस से अधिक फायर फाइटर्स तुरंत मौके पर पहुंचे थे। लगातार ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया था। हालांकि, रात में टैंक में बचे हुए मटीरियल के कारण दोबारा आग भड़क उठी।

दूसरी आग की इस घटना ने इलाके में फिर से दहशत का माहौल पैदा कर दिया। आसपास के लोगों ने सुरक्षा के मद्देनज़र अपने घर खाली कर सुरक्षित स्थानों पर शरण ली। सेफ्टी एंड हेल्थ विभाग ने कंपनी प्रबंधन को सावधानी के तौर पर फायर टेंडर को लगातार स्टैंडबाय पर रखने का आदेश दिया है।

चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉक्टर को एक के बाद एक 12 थप्पड़ मारे, CCTV में कैद

अस्पताल में ICU की सुविधा न होने पर बच्चे को रेफर करने की बात कहने पर भड़का आरोपी, 'व्यक्ति नशे में धुत था': डॉक्टर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा इलाके की KSB ओलंपिया ड्रीम चिल्ड्रन हॉस्पिटल में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। डॉक्टर द्वारा बच्चे को दूसरी अस्पताल में रेफर करने की बात कहने पर मरीज के रिश्तेदार ने गुस्से में आकर डॉक्टर को लगातार 12 थप्पड़ जड़ दिए और गाली-गलौज भी की। पूरी घटना अस्पताल के CCTV कैमरे में कैद हो गई। इस घटना के बाद डॉक्टरों में भारी आक्रोश फैल गया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की तैयारी की गई। बाद में पुलिस ने डॉक्टर की शिकायत के आधार पर आरोपी राजकुमार को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के मुताबिक, आरोपी राजकुमार पहले अपने बच्चे को अस्पताल लेकर आया था। यहां डॉक्टर मनोज प्रजापति ने बच्चे की गंभीर हालत देखते हुए उसे ICU सुविधा वाली दूसरी अस्पताल में रेफर करने को कहा। इस बात को लेकर वह भड़क गया और थोड़ी देर बाद फिर से अस्पताल लौट आया। यहां पहले उसने डॉक्टर से बहस की और फिर अचानक एक के बाद एक कई थप्पड़ जड़ दिए। पूरी घटना CCTV में रिकॉर्ड हो गई। पुलिस ने आरोपी राजकुमार को गिरफ्तार कर लिया है, जो अब अपनी गलती मानकर माफी मांग रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, एक युवक अपने छोटे बच्चे को अस्पताल लेकर आया था। बच्चे की हालत गंभीर थी। जांच के बाद डॉक्टर ने परिवार को बताया कि बच्चे को भर्ती करना पड़ेगा, लेकिन उनकी अस्पताल में ICU की सुविधा नहीं है, इसलिए बच्चे को ICU वाली दूसरी अस्पताल में ले जाना होगा। इस पर परिवार नाराज़ हो गया।

राजकुमार विश्वकर्मा को शक था कि उसके बच्चे ने ज़हरीली दवा पी ली है। इस पर डॉक्टर ने तुरंत उसे दूसरी अस्पताल में ले जाने की सलाह दी। बाद में जब राजकुमार अपने बच्चे को दूसरी निजी अस्पताल में लेकर गया, तो वहां बताया गया कि बच्चे ने कोई भी ज़हरीली दवा नहीं पी थी।

अस्पताल प्रशासन ने बताया कि बच्चे के साथ आए चार लोगों में से एक व्यक्ति नशे में था। शुरू में परिवार ने डॉक्टर की बात मान ली थी और थोड़ी देर बाद लौटने की बात कही थी। लेकिन करीब 20 मिनट बाद नशे में धुत व्यक्ति अचानक हिंसक हो गया और सीधे डॉक्टर के केबिन में घुस गया। डॉक्टर कुछ समझ पाते उससे पहले ही आरोपी ने गाली-गलौज शुरू कर दी और एक के बाद एक बेरहमी से 12 थप्पड़ जड़ दिए। इस बीच स्टाफ मौके पर पहुंच गया और डॉक्टर को और मारपीट से बचाया। आरोपी ने स्टाफ के साथ भी गाली-गलौज की। पूरी घटना CCTV में कैद हो गई।

इस घटना के बाद डॉक्टर ने तुरंत पांडेसरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। इस घटना ने अस्पतालों की सुरक्षा और स्वास्थ्यकर्मियों पर बढ़ते हमलों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। डॉक्टरों का कहना है कि स्वास्थ्यकर्मियों पर हमला करना अक्षम्य अपराध है और इस मामले में पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है।

रिच ने सूरत में सफल कस्टमर शोकेस का आयोजन किया जिसमें इनोवेशन, इंस्पिरेशन और इम्पैक्ट पर ज़ोर दिया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, रिच प्रोडक्ट्स कॉर्पोरेशन ने सूरत में एक बेहद सफल कस्टमर शोकेस का आयोजन किया। इस आयोजन में 130 से अधिक बेकरी ग्राहकों और 30 फूड सर्विस ग्राहकों सहित कुल 240 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई। यह कार्यक्रम केक और डेज़र्ट्स में वैश्विक ट्रेंड्स को प्रस्तुत करने का एक मंच बना, जहाँ एक नवीन प्रदर्शनी ने सभी उपस्थित लोगों की खूब सराहना बटोरी।

इस शोकेस में दक्षिण गुजरात बेकर्स एसोसिएशन की टीम के साथ-साथ गुजरातभर की प्रमुख बेकरीज़ भी शामिल हुईं। उन्होंने इस आयोजन से मिली इनोवेशन और इंस्पिरेशन की गुणवत्ता की प्रशंसा की। उनके सकारात्मक फीडबैक ने यह स्पष्ट किया कि यह शोकेस बेकिंग और फूड सर्विस समुदाय के लिए एक रचनात्मक और व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण जुड़ाव है।

इस आयोजन की मुख्य आकर्षण रिच का डेयरी फ्लेवर्ड व्हिप टॉपिंग का लॉन्च रहा, जिसने ग्राहकों में गहरी रुचि और उत्साह जगाया। इस नए प्रोडक्ट ने रिच के वैल्यू-बेस्ड प्रोडक्ट सॉल्यूशंस पोर्टफोलियो को और मज़बूती प्रदान की।

कार्यक्रम की सफलता रिच की कुलिनरी, सेल्स और मार्केटिंग टीम के समर्पित प्रयासों और सहयोग से संभव हुई, जिनकी टीमवर्क ने ग्राहकों के लिए एक सहज और प्रभावशाली अनुभव सुनिश्चित किया।

इस पहल के माध्यम से, रिच ने भारतीय बेकरी और फूड सर्विस इंडस्ट्री में वैश्विक इनोवेशन, प्रोडक्ट एक्सीलेंस और बिज़नेस-बिल्डिंग सॉल्यूशंस लाने की अपनी प्रतिबद्धता को पुन: पुष्ट किया।

धरमपुर रेंज में वन विभाग की कार्रवाई

अवैध खैर की लकड़ी के साथ दो वाहन जब्त, चालक फरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

धरमपुर रेंज में वन विभाग ने अवैध खैर की लकड़ी की तस्करी कर रहे दो वाहनों को पकड़ लिया। वन विभाग को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर अम्बा राउंड, खटाणा बीट के नानीढोलडुंगरी गांव में पेट्रोलिंग के दौरान निगरानी रखी गई थी।

वन विभाग के स्टाफ ने एक संदिग्ध वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन ड्राइवर वाहन छोड़कर भाग गया। वाहन की जांच करने पर उसमें बिना अनुमति के खैर की लकड़ी मिली। वहीं पायलटिंग कर रही स्विफ्ट कार का चालक भी वन विभाग को देखते ही कार छोड़कर फरार हो गया।

वन विभाग ने दोनों वाहन और माल जब्त कर मालनपाड़ा डिपो में जमा कराया। माप के अनुसार 54 घन मीटर (1.807) खैर की लकड़ी मिली है, जिसकी कीमत करीब 70,000 रुपये आंकी गई है। पिकअप की कीमत 3,50,000 रुपये और स्विफ्ट कार की कीमत 4,50,000 रुपये मिलाकर कुल 8,70,000 रुपये का माल जब्त किया गया है। वन विभाग ने इस मामले में अपराध दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

हेड कॉन्स्टेबल शराब के नशे में पकड़ा गया

लोगों ने वीडियो बनाया तो मोबाइल छीनने की कोशिश की, गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार का आरोप

गुजरात में शराबबंदी के बावजूद पुलिसकर्मी ही कानून की धज्जियां उड़ाते दिख रहे हैं। ऐसा ही एक और मामला वडोदरा से सामने आया है। वडोदरा शहर के चापानेर पुलिस चौकी के पास कल रात एक हेड कॉन्स्टेबल शराब के नशे में धुत पकड़ा गया। जानकारी के अनुसार, पूर्व वडोदरा ट्रैफिक शाखा में कार्यरत हेड कॉन्स्टेबल संजयसिंह प्रतापसिंह राठौड़ लोगों से बहस करते और गंदी गालियां बकते देखे गए।